भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 269 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज गुरूवार 23 सितम्बर 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रिया योगः सौंच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस हजार वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान

प्रयागराज

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत पर कितना एक्शन हुआ कोर्ट ने पुलिस से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ की गई शिकायत पर कितना एक्शन अब तक लिया गया है इस संबंध में दिल्ली एक अदालत ने दिल्ली पुलिस से सवाल पूछा है। यह मामला एक नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता के परिजनों की पहचान उजागर करने से जुड़ा हुआ है। एडिशनल चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट धर्मेंद्र सिंह ने दिल्ली पुलिस को आदेश दिया है कि वो अपनी रिपोर्ट 29 सिंतबर को अदालत में दाखिल करे। जिसके बाद मामले में आगे की सुनवाई होगी। बीजेपी नेता नवीन कुमार जिंदल की तरफ से इस मामले में एडवोकेट नीरज ने एक शिकायत दर्ज की थी। इस शिकायत में कहा गया था कि राहुल गांधी ने जानबूझ कर अपने ट्विटर से नाबालिग रेप पीड़िता की पहचान उजागर की थी। इस शिकायत के जरिए यह निवेदन किया गया था कि अदालत दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के अधिकारियों को निर्देश दे कि इस मामले में संबंधित कानूनी धाराओं के तहत केस दर्ज करे। इस मामले में कांग्रेस नेता के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के अलावा भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत केस दर्ज करने की मांग की गई थी। आरोप है कि राहुल गांधी ने दुष्कर्म पीड़िता के परिजनों की तस्वीर शेयर की थी और बताया था कि यह उनके परिजन हैं। शिकायत में कहा गया कि, 'यह तस्वीर बिल्कुल साफ-साफ नजर आ रही थी। तस्वीर के जरिए रेप पीड़िता के परिजनों को पहचान उजागर हो रही थी। प्रथम दृष्टया राहुल गांधी के खिलाफ मामला बनता है।

दूसरी लहर में भारत के साथ दुनिया परिवार की तरह खड़ी रही : पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के दौरे पर पहुंचे पीएम मोदी ने ग्लोबल कोविड-19 समिट को संबोधित किया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में दूसरी लहर के दौरान भारत को दी गई एकजुटता और समर्थन के लिए दुनिया को धन्यवाद दिया। ग्लोबल कोविड-19 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने कहा कि महामारी एक अभूतपूर्व व्यवधान रहा है और यह अभी खत्म नहीं हुआ है। दुनिया के अधिकांश हिस्सों में अभी भी टीकाकरण होना बाकी है। इसलिए राष्ट्रपति बाइडेन की यह पहल सामयिक और स्वागत योग्य है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने हमेशा मानवता को एक परिवार के रूप में देखा है। भारत के फार्मास्युटिकल उद्योग ने कॉस्ट इफेक्टिव डायग्नोस्टिक किट, दवाएं, चिकित्सा उपकरण और पीपीई किट का उत्पादन किया है। ये कई विकासशील देशों को किफायती विकल्प प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस साल की शुरुआत में हमने अपने वैक्सीन उत्पादन को 95 अन्य देशों और संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों के साथ साझा किया। जब हम दूसरी लहर से गुजर रहे थे तब एक परिवार की तरह दुनिया भी भारत के साथ खड़ी थी। भारत को दी गई एकजुटता और समर्थन के लिए मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चला रहा है। हाल ही में हमने एक दिन में लगभग 2.5 करोड़ लोगों को टीका लगाया। हमारी जमीनी स्तर की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली ने अब तक 800 मिलियन से अधिक वैक्सीन खुराक वितरित की हैं। 200 मिलियन से अधिक भारतीयों को अब पूरी तरह से टीका लगाया गया है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे नए भारतीय टीके विकसित होते हैं, हम मौजूदा टीकों की उत्पादन क्षमता भी बढ़ा रहे हैं। जैसे-जैसे हमारा उत्पादन बढ़ता है, हम दूसरों को भी वैक्सीन की आपूर्ति फिर से शुरू करने में सक्षम होंगे। इसके लिए कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला खुली रखनी होगी।

ग्लोबल कोविड-19 समिट

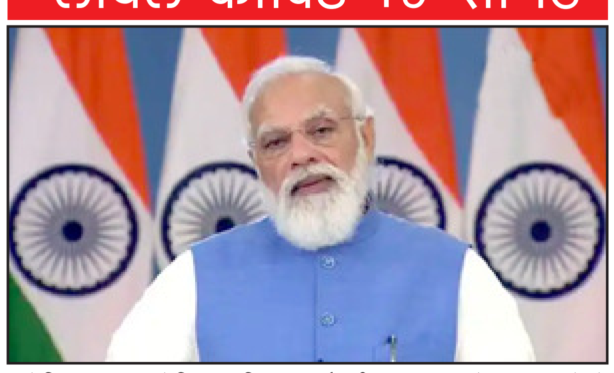

तेजस्वी यादव और मीसा समेत छह पर पटना में केस दर्ज, पांच करोड़ लेकर टिकट नहीं देने का आरोप

पटना (एजेंसी)। पांच करोड़ लेकर टिकट नहीं देने के आरोप में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव और राज्यसभा सांसद मीसा भारती समेत छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। तेजस्वी-मीसा के साथ ही कांग्रेस के विधायक मदनमोहन झा, कांग्रेसी नेता व पूर्व विधायक सदानंद सिह, कांग्रेसी नेता शुभानंद मुकेश और कांग्रेस के प्रवक्ता राजेश राठौर पर कोतवाली थाने में केस दर्ज किया गया है। हालांकि एक आरोपी सदानंद सिंह की मौत हो चुकी है। उनके बेटे शुभानंद पर भी केस दर्ज है। सुप्रीम कोर्ट के वकील और ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के नेता संजीव कुमार सिंह ने राजद नेता व कांग्रेसी नेताओं पर रुपये लेकर लोकसभा के दो टिकट नही देने और ठगी करने का आरोप लगाते हुए पटना सीजेएम कोर्ट में परिवाद मुकदमा दायर किया था। पटना के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी विजय किशोर सिंह ने मामले की सुनवाई की और 16 सितंबर को पटना के एसएसपी के जरिए कोतवाली थानाध्यक्ष को केस दर्ज करने का आदेश दिया था। कांग्रेस नेता और अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह ने पटना के सीजेएम की अदालत में 18 अगस्त को एक परिवाद दायर किया था। इस परिवाद में आरोप था कि तेजस्वी-मीसा समेत कांग्रेसी नेताओं ने भागलपुर से लोकसभा का टिकट देने के बदले में 15 जनवरी 2019 को पांच करोड़ रुपये लिए लेकिन टिकट नहीं दिया।

लंबे समय बाद कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए लालू यादव, बोले-जल्द बिहार के हर जिले का करेंगे दौरा

पटना (एजेंसी)। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव लंबे समय बाद बुधवार को अपने कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए। राजद के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से उन्होंने संबोधित किया और कार्यकर्ताओं को चुनावी रणनीति समझाई। कहा कि जल्द बिहार आएंगे और हर जिले का दौरा करेंगे। लालू ने कहा कि जातीय जनगणना आज बेहद जरूरी है। जनगणना के बाद 27 प्रतिशत का आरक्षण का बैरियर तोड़ना होगा। लालू ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने एससी एसटी को संख्या के अनुसार आरक्षण देने की बात संविधान में कहीं है। उन्होंने कहा कि जातीय जनगणना से सभी जाति की संख्या बढ़ेगी उसी के अनुसार उन्हें भी आरक्षण का लाभ मिलेगा। चाहे 27 प्रतिशत का आरक्षण का बैरियर ही क्यों ना तोड़ना पड़े। लालू ने कहा कि वह बिहार आएंगे तो हर जिले का दौरा भी करेंगे। कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे लालू यादव को बीच में टोकते हुए राबड़ी देवी ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को अपने घर में पार्टी का झंडा लगाना चाहिए। लालू यादव ने भी कहा कि सभी कार्यकर्ता को हरा गमछी और टोपी पहनना चाहिए क्योंकि यह राजद का लाइसेंस है।लालू ने कहा कि तेजस्वी के नेतृत्व को बिहार के लोगों ने स्वीकार कर लिया है। मेरे नहीं रहने पर भी तेजस्वी यादव के नेतृत्व में आरजेडी के सभी कार्यकर्ता ने जी-जान लगाकर काम किया। 2020 के चुनाव में हम लोगों को बेईमानी कर हरा दिया गया। आप हर गांव हर बूथ में जाइए, हर जगह आरजेडी के वोटर मौजूद हैं। लेकिन जब आप लोग जाइएगा ही नहीं तो पता कैसे चलेगा। लालू यादव ने कहा कि उपचुनाव में बेहतर उम्मीदवार को टिकट दिया जाएगा क्योंकि यह चुनाव जीतना चुनौती भरा कार्य है। लालू यादव ने कहा कि जो हार जाता है या फिर जिन्हें टिकट नहीं मिलता है वह पार्टी छोड़ कर भाग जाता है या दल बदल कर लेता है। यह अच्छी बात नहीं है। लोगों को पार्टी के प्रति समर्पित होना चाहिए। टिकट मिले या ना मिले चुनाव जीते या ना जीते, पार्टी के प्रति वफादारी रखनी जरूरी है। लालू ने कार्यकताओं से कहा कि हर असेंबली सीट पर ढाई सौ से तीन सौ बूथ होता है। पोलिंग स्टेशन में जब मतदान शुरू होने वाला होता है सभी पार्टी के पोलिंग एजेंट को बुलाया जाता है और मूट पोल कराया जाता है।

पोर्न रैकेट केस में गहना वशिष्ठ को बड़ी राहत, अरेस्ट पर सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पोर्न रैकेट केस में एक्ट्रेस और मॉडल गहना वशिष्ठ पर जांच चल रही है। इस बीच एक्ट्रेस को बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। एण् ने इस केस में एक्ट्रेस को गिरफ्तारी से सुरक्षा देदी है। कोर्ट के आदेश के मुताबिक गहना के खिलाफ दर्ज की गई तीसरी ईंदें के आधार पर उनकी गिरफ्तारी नहीं होगी। लेकिन इसके साथ ही एक्ट्रेस को ये भी आदेश दिया गया है कि जांच की प्रक्रिया में एक्ट्रेस को जरूरत पड़ने पर पूरी तरह सहयोग देना पड़ेगा। जस्टिस संजय किशन कौल और बीआर गवई की बेंच ने आदेश दिया है कि पहले दो केसेस में गहना के खिलाफ दर्ज हुईं ईंदें पेंडिंग हैं, वो 133 दिनों की कस्टडी में भी रह चुकी हैं।

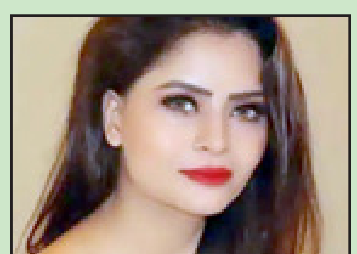

महाराष्ट्र पुलिस द्वारा प्रोब की गई एक ईंदें में बिजनेसमैन राज कुंद्रा का नाम था। पुलिस ने पहले वशिष्ठ को तीन प्रोड्यूसर्स के साथ पोर्नोग्राफिक फिल्म बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। कथित तौर पर ये फिल्म कुंद्रा के मोबाइल एप्लीकेशन पर रिलीज की जाती थीं। बता दें कि कुंद्रा को 19 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था जिसके बाद उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। कोर्ट ने कहा- 'मुख्य आरोप पहले ही बेल पर बाहर हो चुका है'। महाराष्ट्र सरकार को लेकर वशिष्ठ की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए कोर्ट ने आदेश दिया है कि 'याचिकाकर्ता (गहना वशिष्ठ) की गिरफ्तारी नहीं होगी लेकिन वो जांच में सहयोग करेंगी'।

यूएनएस में एर्दोगन का पाक प्रेम पड़ा भारी, कश्मीर का जिक्र करने वाले तुर्की के दुखती रग पर भारत ने रख दिया हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। कश्मीर मसले को लेकर पाकिस्तान के प्रति दोस्ती निभाना तुर्की को एक बार फिर से भारी पड़ गया। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र में कश्मीर का जिक्र करने वाले तुर्की को कुछ ही देर बाद भारत ने करारा जवाब दिया और उसकी दुखती रग पर हाथ रख दिया। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र की बैठक में तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगन ने अपने संबोधन में कश्मीर का मुद्दा उठाया था, इसके ठीक बाद काउंटर अटैक के रूप में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ट्वीट कर साइप्रस के मुद्दे पर तुर्की को घेर लिया। बता दें कि तुर्की अक्सर इस मसले से कन्नी काटता रहा है। दरअसल, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साइप्रस के अपने समकक्ष निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स के साथ द्विपक्षीय बैठक की, जिसमें उन्होंने साइप्रस के संबंध में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों का पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। जयशंकर ने क्रिस्टोडौलाइड्स के साथ अपनी मुलाकात के बारे में बुधवार को ट्वीट किया और लिखा- 'हम आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। मैंने उनकी क्षेत्रीय अंतर्दृष्टि की सराहना की। सभी को साइप्रस के संबंध में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों का पालन करना चाहिये।'

तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगन (एर्दोआन) ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में कश्मीर का जिक्र किया था, जिसके कुछ घंटे बाद जयशंकर ने यह ट्वीट किया। ऐसे में इसे तुर्की के कश्मीर जिक्र का भारतीय पलटवार के रूप में देखा जा रहा है। एर्दोआन ने मंगलवार को सामान्य चर्चा में अपने संबोधन में कहा, 'हमारा मानना है कि कश्मीर को लेकर 74 साल से जारी समस्या को दोनों पक्षों को संवाद तथा संयुक्त राष्ट्र के प्रासंगिक प्रस्तावों के जरिये हल करना चाहिये।' पिछले साल भी एर्दोआन ने सामान्य चर्चा के लिए अपने पहले से रिकॉर्ड किए गए बयान में जम्मू-कश्मीर का जिक्र किया था। भारत ने उस वक्त इसे 'पूरी तरह अस्वीकार्य' बताया था और कहा था कि तुर्की को अन्य राष्ट्रों की संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए और अपनी नीतियों पर गहराई से विचार करना चाहिए। अतीत में भी एर्दोआन ने संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर का मुद्दा उठाया था, जिसपर भारत ने आपत्ति जतायी थी।

कोरोना से मरने वालों के परिजनों को मिलेंगे 50000 रुपये; केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस से जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को मुआवजे के तौर पर 50 हजार रुपए की राशि दी जाएगी। केंद्र सरकार ने आज सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कोविड-19 से मरने वालों के परिजनों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि मिलेगी। हालांकि, सरकार ने यह भी कहा कि यह राशि राज्य सरकार की ओर से दी जाएगी। सरकार ने अदालत को यह भी बताया कि मुआवजे का भुगतान न केवल पहले से हुई मौतों के लिए बल्कि भविष्य के लिए भी किया जाएगा। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि एनडीएमए ने कोरोना के कारण मरने वालों के परिजनों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि की सिफारिश की है, जिसमें हर मौत पर 50 हजार रुपए दिए जाएंगे।केंद्र ने कोर्ट को बताया कि राहत कार्यों में शामिल लोगों को भी अनुग्रह राशि दी जाएगी।

पंजाब कांग्रेस में दो फाड़! सिद्धू के खिलाफ मजबूत उम्मीदवार उतारेंगे कैप्टन, राहुल-प्रियंका को बताया अनुभवहीन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब की सियासत में काफी उठापटक के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले कैप्टन अमरिंदर सिंह आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। कैप्टन ने न सिर्फ नवजोत सिंह सिद्धू के खिलाफ मजबूत उम्मीदवार उतारने का ऐलान किया है, बल्कि कहा है कि वह मुख्यमंत्री न बने, इसके लिए कोई भी कुर्बानी देने को तैयार हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को अनुभवहीन बताते हुए कहा कि उनके सलाहकार उन्हें गुमराह कर रहे हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने नवजोत सिंह सिद्धू को खतरनाक आदमी बताते हुए कहा कि वह उनसे देश को बचाने के लिए कोई भी बलिदान देने को तैयार हैं। आगामी चुनाव से पहले अमरिंदर सिंह ने कहा कि वह नवजोत सिद्धू के खिलाफ मजबूत प्रत्याशी को खड़ा करेंगे और उन्हें किसी भी कीमत पर मुख्यमंत्री नहीं बनने देंगे। यह जानकारी कैप्टन अमरिंदर सिंह के दफ्तर की ओर से दी गई है। अमरिंदर सिंह के कार्यालय के मुताबिक, कैप्टन ने खुलासा किया कि उन्होंने 3 हफ्ते पहले सोनिया गांधी को इस्तीफे की पेशकश की थी, लेकिन उन्होंने उन्हें पद पर बने रहने के लिए कहा था। अगर उन्होंने मुझे फोन किया होता और मुझे पद छोड़ने के लिए कहा होता, तो भी मैं ऐसा ही करता। उन्होंने कहा कि एक सैनिक के रूप में मुझे पता है कि मुझे अपना काम कैसे करना है।

उन्होंने राहुल और प्रियंका को अनुभवहीन बताते हुए आगे कहा कि प्रियंका और राहुल (गांधी भाई-बहन) मेरे बच्चों की तरह हैं ... यह इस तरह खत्म नहीं होना चाहिए था। मैं आहत हूं। उन्होंने कहा कि वे दोनों बच्चे काफी अनुभवहीन हैं और उनके सलाहकार स्पष्ट रूप से उन्हें गुमराह कर रहे थे। बता दें कि बीते दिनों कैप्टन ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया गया। अमरिंदर सिंह ने कहा कि वह अपने राजनीतिक विकल्पों को खुला रखे हुए हैं और भविष्य का कदम तय करने से पहले अपने मित्रों से चर्चा कर रहे हैं।

भारत को तालिबान नहीं बनाने देंगे, भवानीपुर में रैली के दौरान ममता बनर्जी का पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तालिबान का नाम लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। ममता बनर्जी ने कहा कि हम किसी को भी देश का बंटवारा नहीं करने देंगे। पश्चिम बंगाल की सीएम ने कहा, 'नरेंद्र मोदी जी, अमित शाह जी, हम भारत को तालिबान नहीं बनाने देंगे। भारत एकजुट रहेगा। गांधी जी, नेताजी, विवेकानंद, सरदार वल्लभभाई पटेल, गुरु नानक जी, गौतम बुद्ध और जैन सभी एक साथ इस देश में रहेंगे। हम किसी को भी भारत का बंटवारा नहीं करने देंगे।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भवानीपुर में एक रैली को संबोधित कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि बीजेपी के जुमला पार्टी है। वो लोग झूठ बोल रहे हैं कि हमने राज्य में दुर्गा पूजा और लक्ष्मी पूजा की इजाजत नहीं दी। बता दें कि भवानीपुर सीट पर ममता बनर्जी को भाजपा की प्रियंका टिबरेवाल से सीधी चुनौती मिल रही है। इसी के मद्देनजर सीएम ने रैली में भाजपा को आड़े हाथों लिया। उन्होंने आगे कहा, ठभाजपा एक 'जुमला' पार्टी है। वे झूठ बोलते हैं कि हम राज्य में दुर्गा पूजा, लक्ष्मी पूजा की अनुमति नहीं देते हैं। लेकिन अगर भाजपा वाले धारा 144 लगाए रहेंगे तो दुर्गा पूजा कैसे होगी

इधर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कहा कि भवानीपुर उपचुनाव के लिए उन्हें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास के पास प्रचार नहीं करने दिया गया। भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने दावा किया कि उन्हें हरीश चटर्जी स्ट्रीट पर प्रचार करने से रोका गया, जो ममता बनर्जी के आवास की ओर जाती है। ममता भी इस उपचुनाव में उम्मीदवार हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने भाजपा को प्रचार करने से रोक दिया क्योंकि तृणमूल कांग्रेस को 30 सितंबर को होने वाले चुनाव में हार का डर है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) आकाश मघारिया ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा, '' उनके पास टीकाकरण प्रमाणपत्र नहीं था और वे उच्च सुरक्षा क्षेत्र में दाखिल होने की कोशिश कर रहे थे, इसलिए उन्हें दूसरी सड़क पर जाने को कहा गया।'' भाजपा सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो और मघरिया के बीच मौके पर कहासुनी भी हुई। महतो ने दावा किया कि वे घर-घर प्रचार करने के लिए चुनाव आयोग द्वारा लोगों की निर्दिष्ट सीमित संख्या का पालन कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने कहा कि दल में अधिक लोग थे। अन्य सड़क पर प्रचार कर रहे मजूमदार ने पत्रकारों से कहा, '' तृणमूल डर गई है और भाजपा को प्रचार नहीं करने दे रही, लेकिन लोग अवरोधक तोड़ेंगे।'' उन्होंने आरोप लगाया कि कोलकाता पुलिस विपक्षी राजनीतिक दलों के खिलाफ पक्षपात भरा रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा, '' पश्चिम बंगाल पुलिस और कोलकाता पुलिस का पेशेवर रवैया खत्म हो गया है।

खबर संक्षेप

नदी में बहे युवक की लाश गोताखोरों की मदद से तीसरे दिन बरामद

कोरांव। गत दिवस बेलन नदी में अंवरहिया गलदहवा में डूब कर बहे संदीप कुमार कोल पुत्र गुलाब कोल पच्चीस वर्ष की लाश को गोताखोरों ने बेलन नदी से बरामद कर ली। शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया गया।

सहसों पुलिस ने दो भैंसा चोरों को किया गिरफ्तार

सहसों। सराय इनायत थाना क्षेत्र के बाबुराही का पूरा गांव से दबिश देकर दो भैंसा चोरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार मुखबिर खास की सूचना पर चौकी प्रभारी सहसों भीष्म नारायण सिंह ने मय हमराह सहित मंगलवार की रात करीब पौने आठ बजे दबिश देकर दो भैंसा चोर अभियुक्त शैलेन्द्र कुमार पुत्र स्वर्गीय शंभू नाथ 30 वर्ष निवासी ग्राम कोतारी थाना झूंसी व मुमताज अहमद पुत्र कुर्बान अहमद 35 वर्ष निवासी ग्राम कोतारी थाना झूंसी प्रयागराज को गिरफ्तार किया है। इनके विरुद्ध थाना सराय इनायत में पशु क्रूरता एवं संबंधित धाराओं में निरुद्ध करते हुए मुकदमा पंजीकृत किया। पुलिस ने इनके पास से दो अदद भैंसा, ग्यारह सौ रुपए व दो मोबाइल बरामद किए। गिरफ्तारी टीम में उपनिरीक्षक भीष्म नारायण सिंह प्रभारी चौकी सहसों, हेड कांस्टेबल अनिल कुमार मिश्रा, कांस्टेबल अमितोष सिंह व कांस्टेबल साहब सिंह शामिल रहे।

आवास योजना : गड़बड़ी की शिकायत पर जांच करने ग्राम सभा कनिगड़ा पहुंचे डीडीओ

अखंड भारत संदेश

ग्राम वासियों से बातचीत करते अडीडीओ अशोक कुमार मौर्य

मेजा रोड। ब्लाक में डीडीओ (आहरण एवं वितरण अधिकारी) अशोक कुमार मौर्य पहुंचे, जहां कर्मचारियों में हड़कंप मचा रहा। बता दें ग्राम सभा कनिगड़ा में आवास योजना में बरते गए अनियमितता की शिकायत हुई थी। यह शिकायत गांव के पूर्व एवं वर्तमान प्रधान के द्वारा किया गया था। इसी मामले को लेकर पहुंचे डीडीओ का पारा काफी गर्म रहा। बीडीओ डॉ० सपना अवस्थी की उपस्थिति में उन्होंने ग्राम पंचायत अधिकारियों की क्लास लगाई। आवास योजना की फाइलों को मंगाकर जांच-पड़ताल किया। खामियां मिलने पर संबंधित को फटकार लगाई।बाद बीडीओ के साथ ग्राम सभा कनिगड़ा पहुंचकर जमीनी हकीकत का निरीक्षण किया। बताया जाता है कि अधिकारियों के जांच पड़ताल के दौरान पूर्व एवं वर्तमान प्रधान के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। बीच-बचाव के बाद किसी तरह से मामला शांत हुआ। वही आवास योजना की शिकायत की जांच पड़ताल के बाद अधिकारी वापस लौट आए। बाद ब्लाक अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने लापरवाही पर संबंधित को चेताया। उक्त मौके पर असिस्टेंट कमिश्नर (जीएसटी) जितेंद्र कुमार एडीओ पंचायत सुदामा राम गावडे, एडीओ कोआपरेटिव कामराज जायसवाल, जेई (एमआई) प्रदीप अवस्थी सहित आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

> स्थलीय निरीक्षण के दौरान लगाए गए दोनो तरफ के आरोप में खामियां मिली हैं। जांच-पड़ताल के लिए टीम का गठन किया जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।
>
> डीडीओ, अशोक कुमार मौर्य

आवास आवंटन का दोषी पाए जाने पर करछना विकास खंड का पंचायत सचिव निलम्बित

करछना। विकास खंड करछना के ग्राम पंचायत कौवा में प्रधान मंत्री आवास आवंटन में अपात्रो को आवास आवंटन करने के आरोप में प्रधान सहित गांव के लोगों ने जिला अधिकारी से शिकायत दर्ज कराते हुए विकास अधिकारी बृजेश कुमार विकास खंड करछना पर गंभीर आरोप लगाया था । जिस पर जिला विकास अधिकारी की गठित टीम द्वारा जांच मे भारी अनियमितता पायें जाने पर निलम्बित कर दिया गया है । जांच टीम ने गांव में जाँच में पाया कि बिटोला देवी पत्नी भोला नाथ के पास दो कमरे का पक्का मकान बना था पहले से उसको भी प्रधान मंत्री आवास आवंटन कर दिया गया है, लालती देवी पत्नी सूरज दीन का आवास बना नहीं था कि दूसरी किस्त रिलीज कर दी गई, इसी क्रम में एक दर्जन से अधिक आवास आवंटन में ब्यापक पैमाने पर निर्माण कार्य तथा अपात्रो को प्रधान मंत्री आवास आवंटन में व अन्य विकास कार्यों में गंभीर अनियमितता , और अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने अनुशासन हीनता का दोषी पाए जाने आदि गंभीर आरोपो का दोषी पाए जाने पर विकास अधिकारी बृजेश कुमार विकास खंड करछना को निलम्बित कर दिया गया है।

न्यूज झरोखा

पुरैनी हासिमपुर प्राथमिक विद्यालय में छात्रों को जल्द उपलब्ध होगा पेयजल : सुरेश पाण्डेय

करछना। विकास खंड करछना के ग्राम पंचायतों में बनें सरकारी स्कूलों में अधिकांश हैंडपम्प खराब हो गयें हैं जिसको लेकर प्राथमिक विद्यालयों में पढने वाले ननिहाल छात्रों को पेयजल की आपूर्ति बाधित रहते दिक्कतों का सामना करना पड रहा है, इसी क्रम में समस्या से लम्बे समय से प्राथमिक विद्यालय पुरैनी हासिमपुर में स्कूल में छात्रों को पानी के लिए भटकना पड रहा है, जिसकी शिकायत विद्यालय के प्रधानाचार्य ने खंड विकास अधिकारी करछना से किया था, मामले को गंभीरता से लेते हुए गांव के प्रधान प्रतिनिधि सुरेश पाण्डेय ने खराब पडें हैंडपम्प को ठीक कराने के लिए पुनः रीबोर कार्य कराया जा रहा है, उन्होंन बताया कि जल्द से जल्द कार्य पूरा करा कर छात्रों को पेयजल ब्यवस्था उपलब्ध करा दिया जायेगा।

पास्को एक्ट का वांछित अभियुक्त पुलिस की गिरफ्त में

करछना। उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी द्वारा अपराध एवम अपराधियो के विरुद्ध चलाये गये अभियान के अंतर्गत यसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित के निर्देश के क्रम में सीओ बारा अवधेश कुमार शुक्ला एवं कौंधियारा विनोद कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में गठीत पुलिस टीम नें पास्को एक्ट में वांछित अभियुक्त सुरेन्द्र सिंह पुत्र कृष्ण मुरारी सिंह ग्राम सेहरा चौखठा थाना कौंधियारा जनपद प्रयागराज उम्र 20 वर्ष को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कारवाई करते हुए जेल भेज दिया ।

किसान आंदोलन सफल करने पर जुटे पदाधिकारी

- किसानों के बीच पहुंच कर समस्याएं सुनी
- 25 को देवघाट विद्युत पावर हाउस पर धरना प्रदर्शन
- 6 सूत्रीय मांग पत्र पर नहीं ले पा रहा एक्शन तहसील प्रशासन

अखंड भारत संदेश

किसान यूनियन धरना प्रदर्शन के लिए गांव गांव जा कर किसानों से कर रहे संपर्क

कोरांव। बुधवार को देवघाट धूस मुरलीपुर पैतिहा छापर हरदौन आदी गांवों का भ्रमण कर किसानों से 25 सितंबर को होने वाले आंदोलन को सफल करने के लिए भारतीय किसान यूनियन भानू एवं किसान विकास मंच के पदाधिकारीयों ने जन संपर्क कर आंदोलन सफल करने की अपील की । भ्रमण में किसानों में आवारा पशु अघोषित विद्युत कटौती तथा भ्रष्टाचार में लिप्त कर्मचारियों के प्रति आक्रोश देखा गया। भारतीय किसान यूनियन भानू के मंडल उपाध्यक्ष राजेश पांडे ने कहा कि शासन प्रशासन की उदासीनता के कारण आज किसानों की दयनीय स्थित है। वही किसान नेता राजू चौबे ने कहा कि किसानों को अपने हक के लिए आंदोलन सफल करना जरूरी है। क्षेत्रीय किसानों में सुभाष पांडे एडवोकेट पूर्व प्रधान अमिलीयापाल ने किसानों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि मांगने से भीख मिलती है , किंतु अधिकार छीनना पड़ता है। जो हम लोग आंदोलन के माध्यम से शासन प्रशासन से छीनने का काम करेंगे ।जिला पंचायत प्रतिनिधि किसान पुत्र राजेश पटेल ने बड़े आंदोलन की रूपरेखा तैयार करते हुए किसानों से एवं मजदूरों से भारी संख्या में पहुंचकर आंदोलन सफल करने की बात कही ।पदाधिकारियों के साथ में प्रमुख रूप से अमित पांडे कामता यादव पूर्व प्रधान पथरताल कमलेश्वर पांडे अशोक शुक्ला राकेश तिवारी विद्या कांत पटेल सच्चिदानंद पटेल पवनेश पाण्डेय पूर्व ग्राम प्रधान मंगला कोल आदि लोगों ने भ्रमण किया।

ताला तोड़कर नगदी समेत जेवरात चोरी

अखंड भारत संदेश

सहसों। थरवई थाना क्षेत्र के चन्दरपुर बसमहुआ गांव के ललचहां मजरे में बीती रात चोरों ने मकान का ताला तोड़कर अंदर रखा कीमती सामान चुरा ले गये। मामले की जानकारी होने पर गृहस्वामी मौके पर पहुंचा और थरवई पुलिस को लिखित तहरीर देकर कार्यवाही की मांग किया।

बताया जाता है कि उक्त गांव निवासी सत्येन्द्र पाण्डेय व शैलेन्द्र पाण्डेय पुत्रगण स्व0 सुदामा पाण्डेय का पैतृक मकान ललचहां मजरा में स्थित है। सत्येन्द्र अपने परिवार के साथ झूंसी में रहा करते है जबकि शैलेन्द्र का परिवार पैतृक मकान में रहा करता है। बीती रात मॉ की तवियत खराब होने पर शैलेन्द्र का परिवार पैतृक मकान से कुछ फासले पर स्थित मकान में आ गया। इधर मौका पाकर रात्रि के वक्त चोरों ने आलमारी तोड़कर उसमे रखे कीमती कपड़े व संदूक का ताला तोड़कर उसमे रखे सोने चांदी के जेवरात, तीस हजार रुपएं नगदी के अलावा इलेक्ट्रानिक सामान व पीतल के कीमती बर्तन चुरा ले गये। सुबह होने पर कमरे में लगा ताला टूटा देख आसपास के लोग दंग रह गये। सूचना पाकर गृहस्वामी मौके पर पहुंचे और मामले की सूचना थरवई पुलिस को लिखित रूप से देते हुए अज्ञात चोरों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज किये जाने की मांग की। प्रधानाध्यापक ने इसकी लिखित शिकायत जंघई चौकी पुलिस से किया। चोरों ने विद्यालय में रखा 2 कुंतल चावल, एक बोरी गेहूं, दो पंखा, 2 गैस सिलेंडर, विज्ञान गणित की पुस्तकों, दो भगोना बड़ा, एक बड़ी थाली, तीन क्रिकेट बैट, एक दर्जन बाल, तीन बैडमिन्टन एवमं राइटर चिड़िया अग्नीशमन सुरक्षा की चार बाल्टीयां एवमं सौ बच्चों की थाली लगभग पचास हजार रुपए का सामान बीती रात चोरों ने ताला तोड़कर चोरी कर लिया। चौकी इंचार्ज एवमं पुलिस मौके पर पहुंच कर मौके का मुआयना किया और अतिशीघ्र चोरी का पता लगाने का आश्वासन दिया।

भोगवारा में सास-बेटा-बहू सम्मेलन का आयोजन

प्रतापपुर। भोगवारा उप स्वास्थ्य केंद्र पर सास-बहू-बेटा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य आतिथि प्रतापपुर सीएचसी अधीक्षक राघवेंद्र प्रताप सिंह सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं तथा परिवार नियोजन कार्यक्रम के बारे में बताया ।एनएम शालिनी राय ने बताया लड़का एवं लड़की की कम उम्र में शादी नही करनी चाहिए तथा पहला बच्चा शादी शादी के 2 साल बाद और दूसरा बच्चा शादी के 3 साल करना चाहिए ।इस अवसर पर उपस्थित महिलाओ को मुख्य अतिथि राघवेन्द्र सिंह और एनएम शालिनी राय ने उपहार भी दिया ।संचालन डीसीपीएम रुद्र प्रताप सिंह ने किया मौके पर प्रधानपति मिठाईलाल यादव, आशा शशि सिंह, सुनीता मौर्या, गीता, मंजू पांडेय, प्रभावती पटेल, मंजू तिवारी, रोशन अली, सूर्या यादव, अतुल सिंह, रायसाहब, मनोज यादव सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

साहब दो हजार रुपए प्रति खेप देने के बाद भी पुलिस लेती है पांच सौ रूपए

दुर्घटना कर भाग रहे ओवरलोड ट्रक चालक ने पकड़े जाने पर बोला

जसरा। मंगलवार की देर रात जसरा के समीप अमरेहा गांव के हाईवे पर एक ओवरलोड गिट्टी परिवहन कर रहे ट्रक चालक से सुविधा शुल्क वसूलने को लेकर पीछा कर रहे पुलिस कर्मियो से बचने के लिए भाग रहे ट्रक चालक के ट्रक अनियंत्रित हो एक बाइक को टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। कुछ लोगों ने ट्रक का पीछा कर पकड़ा तो ट्रक चालक का जुबानी सुन लोग भौचक रह गए। नैनी के डांडी निवासी मयंक सिंह 45 वर्ष पुत्र दशरथ सिंह अपने चचेरे भाई संजय 25 वर्ष के साथ मंगलवार की रात लोहगरा से अपने घर डांडी बाईक से जा रहे थे कि जैसे ही घूरपुर के अमरेहा गांव के सामने हाईवे पर पहुंचें ही थे कि ओवरलोड गिट्टी परिवहन कर रही ट्रक को सुविधा शुल्क वसूलने के लिए पुलिस ने पीछा किया था। भागने में अचानक ट्रक अनियंत्रित हो पीछे से बाईक मे टक्कर मार दी। जिससे बाईक सवार दोनो युवक घायल हो गए। पीछे से आ रहे एक बोलेरो पर सवार आधा दर्जन लोगों ने पीछा कर ट्रक सहित चालक को पकड़ लिया। पकड़े जाने पर ट्रक चालक ने कहा कि साहब हम क्या करें, ओवरलोड ट्रक को पास कराने के लिए प्रति ट्रिप दो हजार रूपए थाने में दिया जाता है। इसके बावजूद भी पुलिस रोककर पांच सौ रुपए अतिरिक्त लेती है। यह सुन सभी दंग रह गए। फि लहाल ट्रक चालक से बोलेरो सवारों ने फटकार लगाकर छोड़ दिया। दोनों घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना पर पहुंचे परिजन प्राथमिक इलाज के बाद दोनों घायलों को शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया। हाला कि क्षेत्र में इस तरह का कोई पहला मामला नहीं है। इस तरह के मामला होने से क्षेत्र में कई राहगीरों की मौत हो चुकी है।

कचरी पावर प्लांट का निर्माण कार्य पहली प्राथमिकता : उज्वल रमण

अखंड भारत संदेश

इण्टर लाकिंग रोड का लोकार्पण करने के बाद बैठक को सम्बोधित करते उज्ज्वल रमण

करछना। सपा विधायक उज्जवल रमण सिंह ने बुधवार को पुरैनी गांव में मुस्लिम बस्ती से चंद्रभूषण के घर तक बनी इंटरलॉकिंग रोड का लोकार्पण करने के बाद यहां पर आयोजित लोकार्पण समारोह तथा हाशिमपुर गांव में ग्राम प्रधान सुरेश पांडेय के आवास पर आयोजित सपा कार्यकताओं की एक विशाल बैठक को बतौर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त करते हुए कहा कि सपा की सरकार चुनाव बाद भारी बहुमत के साथ बनेगी और मेरी पहली प्राथमिकता होगी कि युवाओं को रोजगार केलिए कचरी पावर प्लांट का निर्माण पूरा कराया जाएगा । उन्होंने कहा कि गांव के बेहतरी के लिए सरकार न होने के बावजूद भी अपने विधायक निधि से इस गांव में विकास की गंगा बहाने का कार्य करूंगा । इन गांवो से जर्जर विद्युत के तारों को बदलवा कर केबिल लगवाने का कार्य करूंगा । अगर आप लोगों ने विधानसभा के चुनाव में सेवा करने का मौका दिया तो करछना विधानसभा को आदर्श विधानसभा के रूप में विकसित करूंगा। इस बार के विधानसभा चुनाव में सपा की लड़ाई सांप्रदायिक ताकतों से होगी । अगर आप लोगों ने इस बार के चुनाव में अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा की सरकार बनाने का काम किया तो सपा देश व प्रदेश की बिगड़ी हुई तकदीर को बदलने का कार्य करेगी । यहां के लोगों से मेरा घर परिवार का रिश्ता है नेता का नहीं । यहां के लोगों ने जो स्नेह एवं प्यार मुझे दिया विरले नेताओं को ही मिल पाता है । पुरैनी में समारोह की अध्यक्षता विद्या कांत शर्मा एवं संचालन पूर्व प्रधान देवी शंकर मिश्र ने किया । हासिमपुर में सपा की बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान सुरेश पांडेय तथा संचालन मीडिया प्रभारी मदन मोहन द्विवेदी ने किया। समारोह में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी सपा जिला उपाध्यक्ष विनय कुशवाहा जिला पंचायत सदस्य डॉ विजय बाबू यादव पूर्व ब्लाक प्रमुख करछना विजय राज सिंह राजू संतोष पांडेय नरेंद्र कुमार शर्मा अभिषेक गौतम कौशलेंद्र प्रसाद पांडेय सुरेश पांडेय देवी शंकर मिश्र मदन मोहन द्विवेदी मंगला प्रसाद पांडेय जमील अहमद रमाकांत पांडेय विमलेश कुमार पांडेय वासुदेव यादव हरिशंकर पांडेय राम चंद्र पांडेय गुलाम रसूल बृजेश तिवारी पिंटू यादव महेंद्र यादव चंद्र भूषण पांडेय आनंद कुमार पांडेय जमुना प्रसाद पांडेय कृष्णा कांत पांडेय श्याम चरण यादव सुरेंद्र यादव धीरेंद्र कुमार यादव आदि लोग मौजूद रहे।

जन्मोत्सव पर पौधा भेंट करने की आवश्यकता : अभिषेक

जसरा। शादी विवाह, जन्मदिन, शादी सालगिरह इत्यादि शुभअवसरों पर लोगों को महंगे उपहार के स्थान पर बहुमूल्य एवम फलदार पौधे भेंट करने व वृक्षारोपण करने की चलन प्रारम्भ करना चाहिए इससे विभिन्न प्रकार के लाभ के साथ मानसिक सुकून भी प्राप्त होगा उक्त बातें जसरा स्थित युवा समाजसेवी विद्याभूषण पाठक द्वारा आयोजित उनके पुत्र कंदर्प के जन्मोत्सव पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शोध छात्र अभिषेक सिंह पटेल ने सभी मेहनमानों को पौध भेंट के दौरान व्यक्त किये लोगों को विभिन्न प्रकार फल, फूल एवम छायादार पौधे भेंट करने के दौरान शोध छात्र अभिषेक सिंह पटेल ने यह भी बोले कि दिनोदिन पर्यावरण प्रदूषित हों रहा हैं इसके साथ ही जलसंकट भी गहराता जा रहा हैं यदि युवावर्ग वृहद पैमाने पर वृक्षारोपण एवम संरक्षण कार्य का संकल्प लें तो काफी हद तक विभिन्न समस्याओ से निजात पाया जा सकता हैं।। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार ज्ञानेन्द्र पाठक ने शोध छात्र के इस मुहिम को सार्थक एवम प्रभावशाली बताते हुए लोगों से निजी जीवन मे भी प्रचलन के लिए प्रेरित किये। इस अवसर पर तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहें।

मिशन-2022 प्रतापपुर विधानसभा से सपा के सियासी धुरंधर दम ठोकने के लिए तैयार

अखंड भारत संदेश

विजमा यादव पूर्व विधायक प्रतापपुर

पंधारी यादव पूर्व जिलाध्यक्ष सपा

एसबी यादव सपा नेता

निधि यादव पूर्व हंडिया विधानसभा प्रत्याशी

प्रतापपुर। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव का बिगुल अभी भले ही न बजा हो मगर सियासी धुरंधरो की विधानसभा क्षेत्र से लेकर लखनऊ तक बढ़ी सक्रियता से प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के लोगो मे भी सियासी रंग चढ़ने होने लगा है...दावेदारो की सक्रियता स्वभाविक भी है कहने को भले ही चुनाव अगले साल है मगर अगर महीनों की बात की जाए तो विधनसभा चुनाव के लिए कुछ महीने ही शेष बचे है।वैसे तो प्रतापपुर विधानसभा समाजवादी पार्टी की सीट मानी जाती है मगर अगली बार चुनावी समीकरण कुछ ऐसा उलझा की सीट बसपा के पाले में चली गई मगर बसपा से जीत दर्ज कर पार्टी में उपेक्षा का आरोप लगाकर समाजवादी पार्टी में सम्मलित होने से अप्रत्यक्ष रूप से प्रतापपुर में फिर से समाजवादी पार्टी ने जीत दर्ज कर लिया।वही अगर प्रतापपुर विधानसभा से वर्तमान में दावेदारों के बारे में बात की जाए तो लंबी सूची है मगर उनमें से फूलपुर से लोकसभा क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी रहे पंधारी यादव, पूर्व विधायक प्रतापपुर विजमा यादव, एसबी यादव और हंडिया विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी रही निधि यादव प्रमुख नाम है जिनकी चर्चा विधानसभा क्षेत्र लेकर लखनऊ पार्टी कार्यलय तक है। अब देखना दिलचस्प होगा पार्टी इन्ही नामो पर विचार करती है कि किसी अन्य चेहरे को मैदान में उतारती है यह तो प्रत्याशियों की सूची जारी होने पर ही पता चलेगाअगर बात प्रतापपुर के मतदाताओं की जाए तो मतदाताओं का साफ कहना है बाहरी नेता चुनाव के समय आते है और बड़े-बड़े वादे करते है चुनाव जीतने के बाद वादा हवाहवाई निकलता है।और नेताजी पाँच साल क्षेत्र में दिखते ही नही विकास तो दूर की बात है। इसलिए इस बार प्रतापपुर के लोगो ने मन बना लिया है अबकी बार प्रतापपुर से प्रतापपुर का बेटा विधायक बनेगा।पार्टी अगर मतदाताओं की सुनती है तो पंधारी यादव और एसबी यादव दो ही नाम का विकल्प बचता है अब देखना दिलचस्प होगा पार्टी क्या निर्णय लेती है।

पंखे में उतरे करेंट की चपेट में आने से महिला की मौत

करछना। थाना क्षेत्र के बरदहा गांव में पंखे में उतरे करेंट की चपेट में आने से एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई । घटना बुधवार को तीन बजे दिन की है,जानकारी के मुताबिक बरदहा गांव निवासी तिलक धारी की 52 वर्षीय पत्नी निर्मला देवी दोपहर बाद अपने घर में झाडू लेकर साफ सफाई कर कर रही थी, उसी दरम्यान कमरे के अंदर चल रहा टेबल फैन को बगल करने लगी, जिसमें पंखे के वांडी में कहीं से तार कटा होने से बिजली का करेंट प्रवाह कर रहा था कि छू जाने से बुरी तरह से झुलस गयी, जिसको परिजनों ने करछना के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था । उसकी हालत गंभीर देख डाक्टरों ने शहर ले जाने केलिए डिस्चार्ज कर दिया, परिजन ईलाज केलिए शहर अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

भाजपा विज्ञापनों में ही विकास उत्सव मना रही है : शाहबाज हक

करछना। समाजवादी पार्टी प्रयागराज के युवा नेता शाहबाज हक ने कहा कि साढ़े चार साल का कार्यकाल पूरा होने पर भाजपा विज्ञापनों में ही ह्यविकास उत्सवह्य मना रही है जनता में कहीं न उत्सव का माहौल है और न हीं सरकारी उपलब्धियों की चर्चा है। सभी लोग यह समझ गए हैं कि भाजपा झूठे प्रचार और आंकड़ेबाजी में ही विकास का मायाजाल बुन रही है। भाजपाई प्रचारजीवियों को सन 2022 के लिए जनता बेदखली की नोटिस जारी कर चुकी। फिर किसान, व्यापारी, महिला, नौजवान सब मिलकर भाजपा को विदाई दे देंगे। जिन उपलब्धियों और विकास का हल्ला मुख्यमंत्री जी मीडिया के सामने कर रहे हैं उनकी ढोल की पोल जनता जानती है। पिछले 7 महीनों में 12 हजार से ज्यादा लोगों की सड़क के गड्ढों की वजह से जानें गई हैं। लखनऊ हो या प्रयागराज, गोरखपुर हो या वाराणसी, कानपुर, बरेली हो या अयोध्या हर जगह टूटी गड्ढ़ायुक्त सड़कें दिखाई देती हैं। भाजपा सरकार के विकास की यही जमीनी हकीकत है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के दस जिलों को सीधे राजधानी लखनऊ से जोड़ने वाले समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे जिसका शिलान्यास समाजवादी सरकार में हो चुका था इसका उद्घाटन से पहले ही इसमें दरारे आ गई है। प्रयागराज लखनऊ वाराणसी के शहरी क्षेत्रों की 50 फीसदी सड़कें खराब हैं। गोरखपुर में भी सड़के उखड़ी हुई हैं। खुद राजधानी लखनऊ के शहीद पथ पर 500 से ज्यादा गड्ढे भाजपा की किस्मत को रो रहे हैं। प्रयागराज में वैसे तो ट्रिपल इंजन की सरकारे हैं। नगर निगम, सांसद, विधायक सब भाजपा के तब भी यहां सड़कों पर ह्यविकास का दरियाह्य बह रहा है। जलभराव से तमाम क्षेत्रों में लोगों का और उनके पशुओं की जिंदगी नरक बन गई है। गंदगी, बीमारी का चारों ओर जोर है। जनविरोधी, किसान विरोधी और झूठी सरकार को लोग अब और बर्दाश्त नहीं कर सकते।

खबर संक्षेप

सरकारी वकील को घर से थाने ले गई पुलिस, दरोगा सहित पांच पुलिसकर्मी निलंबित

प्रयागराज। जार्जटाउन थाने की पुलिस को सरकारी वकील से ज्यादती और अभद्रता महंगी पड़ गई। राज्य विधि अधिकारी को बिना किसी ठोस वजह के और बिना जांच के मारते पीटते थाने में बंद करने की घटना पर हाईकोर्ट द्वारा संज्ञान लेने के बाद एसएसपी प्रयागराज ने सब इंस्पेक्टर संजीव कुमार सहित पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। भुक्त भोगी राज्य विधि अधिकारी संजय सिंह ने इस घटना की शिकायत एसएसपी से की थी तथा कोर्ट को भी अवगत कराया था। अधिवक्ता संजय सिंह टैगौर टाउन के शिवम विहार अपार्टमेंट में रहते हैं। वो बिल्डिंग सोसायटी के सचिव भी हैं। संजय सिंह बताते हैं कि उन्हीं के बिल्डिंग में संतराम यादव का एक फ्लैट है। जिसमें काफी समय से ताला बंद है। 19 सितंबर को कुछ लड़के और लड़कियां उस फ्लैट में किराए पर रहने के लिए आए। रात लगभग 12 बजे वह लोग फ्लैट में हल्ला गुल्ला करने लगे तो बिल्डिंग में रहने वाले अन्य लोगों ने उनसे इसकी शिकायत की। जिस पर उन्होंने शोर मचा रहे लड़के लड़कियों से ऐसा करने का कारण पूछा तो वो लोग उनसे उलझ गए। इस पर विवाद हो गया। इसी बीच किसी ने जॉर्ज टाउन थाने पर फोन करके पुलिस बुला ली। आरोप है कि सब इंस्पेक्टर संजीव कुमार अपने साथ चार कांस्टेबलों को लेकर के आए और बिना बात को पूरी तरीके से समझे संजय सिंह को पीटना शुरू कर दिया। उनको पीटते व गालियां देते हुए घसीट कर थाने ले गए और लॉकअप में बंद कर दिया। उनको सुबह छोड़ा गया। संजय सिंह ने इसकी शिकायत एसएसपी से की थी। जिस पर एसएसपी ने क्षेत्राधिकारी आस्था जायसवाल को मामले की जांच सौंपी। बिल्डिंग में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज और जांच में यह साबित हो गया कि संजय सिंह द्वारा लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया सही हैं। रिपोर्ट के आधार पर एसएसपी ने उप निरीक्षक संजीव कुमार, हेड कांस्टेबल जयप्रकाश मिश्रा, कांस्टेबल अनुज, राधेश्याम साहनी और रणविजय सिंह को निलंबित कर विभागीय जांच बैठा दी है। एसपी सिटी ने बुधवार को हाईकोर्ट में उपस्थित होकर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ की गई कार्रवाई से अदालत को अवगत कराया। उधर संजय सिंह का कहना है की पुलिस पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई से ऐसा लगता है कि उपद्रव करने वालों की उनसे पहले से सांठगांठ थी और सब कुछ किसी वजह से सोच समझ कर के किया गया है।

दिवंगत महंत के अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

समाधि स्थल पर महंत नरेंद्र गिरि को ले जाते साधु संत

अंतिम यात्रा में शामिल उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

महंत नरेंद्र गिरी को बाघंबरी मठ में दी गई भू-समाधि, शिष्यों और संतों की आंखें हुई नम

● भू समाधि स्थल पर शिष्यों के आंखों से निकलते रहेआंसू ● समाधिस्थल पर फूलों की होती रही वर्षा ● साधु संतों के मुख से होता रहा मंत्रोचार

अनूप मिश्रा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज(अखाड़ा परिषद अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि के पार्थिव शरीर को बाघंबरी गद्दी मठ में भू समाधि दी गई। उन्होंने अपने सुसाइड नोट में भू समाधि देने की इच्छा जताई थी।वही बुधवार को पूरे विधि विधान और अखाड़ों-संन्यासियों की परंपरा के अनुसार उन्हें भू समाधि दी गई। इस दौरान देशभर के संत, महात्मा, महामंडलेश्वर मौजूद रहे । सुबह पोस्टमार्टम के बाद उनकी शव यात्रा फूलों से सजे रथ पर रखकर शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए संगम तट पर पहुंची। यहां शास्त्रोक्त विधि से संगम के जल से स्नान कराने के बाद पुनः पार्थिव शरीर मठ बाघंबरी गद्दी लाया गया।नरेंद्र गिरि की अंतिम इच्छा के अनुसार उनके द्वारा सुसाइड नोट में बताए गए स्थान पर उन्हें समाधि दी गई। इस दौरान हजारों की संख्या में भक्तों ने उन्हें नम आखों से अंतिम विदाई दी। पूरे गमगीन माहौल में उन्हें अंतिम विदाई दी गई।

पार्थिव शरीर के साथ संतों की गाड़ियों का लगा रहा काफिला

महंत नरेंद्र गिरि के पार्थिव शरीर को सुबह ही मर्चरी पर पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया था। शव वाहन पर रखे पार्थिव शरीर के पीछे बाघंबरी गद्दी मठ के शिष्यों अनुयायियों और संतों की गाड़ियों का काफिला भी चलता रहा। फूलों से सजे रथ पर अखाड़ा परिषद अध्यक्ष नरेंद्र गिरि के शव को लेकर निकाली गई। यात्रा में महंत के अंतिम दर्शन के लिए संगम जाने वाले मार्गों पर भारी भीड़ जमा हो गई । लोगों ने जगह जगह फूल माला चढ़ा कर श्रद्धांजलि अर्पित की। महंत नरेंद्र गिरि की अंतिम यात्रा और समाधिस्थ करने तक पूरे समय डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, अखाड़ा परिषद के महामंत्री हरि गिरि, रविंद्र पुरी, मौनी बाबा आदि सहित हजारों लोग मौजूद रहे।

महंत की अंतिम यात्रा में उमड़ा संतों का हुजूम

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष और बाघमबारी गद्दी मठ के महंत नरेंद्र गिरि का पार्थिव शरीर पोस्टमार्टम के बाद मठ लाया गया था। मठ में कुछ देर संतों और भक्तों के दर्शन के बाद पार्थिव शरीर को सुसज्जित रथ पर रखकर अंतिम यात्रा निकाली गई। महंत की अंतिम यात्रा में संतों और भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा । त्रिवेणी संगम पर पार्थिव शरीर को स्नान कराने के बाद मठ में भू समाधि दी गई। पंचक के बावजूद मठ में भू समाधि दी गई।

शिष्य ने बताया एक दिन पहले ही महंत ने सीखा था मोबाइल में वीडियो बनाना

प्रयागराज। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र गिरि ने मौत को गले लगाने से मोबाइल पर अपना वीडियो बनाया था। बताया जा रहा है कि नरेंद्र गिरि तकनीकी रूप से कमजोर थे। मोबाइल का इस्तेमाल वह सिर्फ बातचीत करने के लिए करते थे। इंटरनेट की दुनिया से थोड़ी दूर रहते थे। ज्यादातर काम उनके शिष्य करते थे। वह अपने मोबाइल में व्हाट्सएप भी इस्तेमाल नहीं करते थे। 20 सितंबर की शाम को जब नरेंद्र गिरि अपने कमरे में फांसी के फंदे पर लटके मिले तो पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने आश्रम के शिष्यों का बयान दर्ज किया। कमरे में मिले सुसाइड नोट और उनकी मोबाइल की छानबीन की गई। उनके मोबाइल में एक वीडियो मिला जिसे वह खुद बनाए थे।

पुलिस अफसरों के जेहन में यह सवाल था कि उन्होंने कैसे यह वीडियो बनाया होगा। जांच के दौरान पता चला कि अपने एक शिष्य से एक दिन पहले ही मोबाइल से वीडियो बनाना सीखा था। मोबाइल पर कैसे रिकॉर्डिंग करेंगे इसकी जानकारी ली। शिष्य के सामने ही उन्होंने इसका ट्रायल भी किया था। सीखने के बाद छात्र ने मोबाइल पर उनका वीडियो देखा। बताया जा रहा है कि नरेंद्र गिरि ने मौत को गले लगाने से एक दिन पहले ही अपना वीडियो बनाया। सुसाइड नोट में जो आरोप लगाए हैं, उसे ही कैमरे के सामने बोलकर रिकॉर्ड किया।

कड़ी सुरक्षा के बीच 14 दिन के लिए नैनी जेल भेजे गए आनंद गिरि

● हाई सिक्योरिटी सेल में बीतेंगे दिन

कड़ी सुरक्षा के बीच 14 दिन के लिए भेजा गया नैनी जेल

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष नरेंद्र गिरी की मौत के मामले में नामजद एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस पूछताछ में जुट गई है। आरोपी शिष्य आनंद गिरी से कई घंटे तक पूछताछ की गई है। पुलिस लाइन में अधिकारियों ने कई घंटे तक पूछताछ की। बुधवार को दोपहर 12 बजे आनंद गिरी, आद्या तिवारी और संदीप तिवारी सीजेएम कोर्ट में पेश किया गया। वहां से रिमांड मंजूर होने के बाद दोनों को कड़ी सुरक्षा के बीच नैनी जेल ले जाया गया। देर शाम तक वारंट न पहुंचने के कारण पुलिस ने जेल के मुख्य द्वार के अंदर एक चबूतरे पर दोनों को बैठाए रखा। सूत्रों के अनुसार दोनों को अलग-अलग हाईसिक्योरिटी सेल में रखा जाएगा। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि की मौत के मामले में सुसाइड नोट में जिम्मेदार ठहराए जाने के बाद गिरफ्तार किए गए योग गुरु आनंद गिरि का नया पता नैनी सेंट्रल जेल का सिक्योरिटी बैरक होगा। जेल सूत्रों के अनुसार दोनों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रखने के लिए हाई सिक्योरिटी सेल तैयार किया गया है। इसी मामले में आरोपी बनाए गए लेटे हनुमान मंदिर के मुख्य पुजारी रहे आद्या प्रसाद तिवारी को भी जेल में दाखिल कराया गया। आनंद गिरी और आद्या प्रसाद दोनों को अलग-अलग बैरकों में रखा जाएगा।

सामने बैठाकर की गई पूछताछ

पुलिस लाइन में आरोपी आनंद गिरी से पूछताछ की गई। उसके साथ आद्या तिवारी और संदीप तिवारी को भी आमने सामने बैठाकर एक एक बिंदुओं पर पूछताछ की गई। तीनों को दोपहर 12 बजे कोर्ट में पेश किया गया।

अशोक चोटिया से बना आनंद गिरि ...

राजस्थान स्थित आनंद गिरि का मकान

राजस्थान स्थित गांव में आनंद गिरी के पिता व भाई

(सुनील गिरि)

प्रयागराज। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष और निरंजनी अखाड़ा के सचिव महंत नरेंद्र गिरि (70) ब्रह्मलीन को लेकर सस्पेंस बरकरार रहा। हालांकि बुधवार को पोस्टमार्टम के शुरूआती रिपोर्ट में गला कसने यानी कि फांसी से मौत की बात बताई गई। वहीं महंत नरेंद्र गिरि के मृतक शरीर के बिसरा को सुरक्षित कर लिया गया है। बताया जाता है कि ब्रह्मलीन होने से पूर्व महंत नरेंद्र गिरि के द्वारा बरामद कई पन्नों के सुसाइड नोट में आनंद गिरि समेत आद्या प्रसाद तिवारी और उनके बेटे संदीप तिवारी को अपने निधन के लिए जिम्मेदार ठहराया है। पुलिस ने नामजद तीनों आरोपियों में से योग गुरू आनंद गिरि एवं बड़े एवं लेटे हुए हनुमान जी के मुख्य पुजारी आद्या प्रसाद तिवारी को आज सीजीएम कोर्ट में पेश किया गया। जहां न्यायालय के निर्देश पर दोनों नामजद आरोपियों को केंद्रीय कारागार नैनी भेज दिया गया। वहीं डिप्टी एसपी के नेतृत्व में 18 सदस्यीय गठित एसआईटी टीम ने देर शाम को जरिए मुखबिर की सूचना पर फरार नामजद आरोपी संदीप तिवारी को भी गिरफ्तार कर पुलिस लाइन स्थित क्राइम ब्रांच कार्यालय में पूछताछ करने में जुटी हुई है। बताया जाता है किआनंद गिरि बचपन से महंत नरेंद्र गिरि के संपर्क में थे।

राजस्थान के भीलवाड़ा गांव का आइकॉन है आनंद गिरि

बाल्य अवस्था में घर से निकल गए थे बाहर, महंत नरेंद्र गिरि ने अशोक चोटिया को दी थी आनंद गिरि की उपाधि, परिजनों ने 13 वर्षों तक की खोजबीन, एक बाबा ने बताया हरिद्वार में है उनका बेटा

अशोक से आनंद गिरि बनने का सफर काफी लंबा रहा

घर से निकलने के बाद वह उत्तराखंड राज्य के हरिद्वार पहुंच गए। वहां पर एक चाय की दुकान में काम कर रहे थे। सूत्रों पर यदि हम यकीन करें तो महंत नरेंद्र गिरि की नजर बालक पर पड़ी और उससे पूछताछ की तो उसने बताया कि वह राजस्थान प्रदेश का रहने वाला है तो महंत नरेंद्र गिरि ने उक्त बालक से कहा कि तुम्हें घर छोड़ दिया जाएगा और वहीं पर रह कर अपने परिजनों की देखभाल सेवा सत्कार करो, लेकिन वह घर जाने के लिए तैयार नहीं हुए। जिस पर महंत नरेंद्र गिरि ने उसे अपनी शरण में ले लिया। बचपन से लेकर दीक्षा दिलाने तक महंत नरेंद्र गिरि ने उन्हें साथ ही रखा। घरवालों को जब चिंता सताने लगी तो महंत नरेंद्र गिरि ही थे, जो आनंद गिरि को उनके मां-बाप और परिवार से मिलाने पहुंचे थे। सभी के सामने दीक्षा दिलाकर अपना शिष्य बनाया, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में जब उनके गुरु ब्रह्मलीन में समा गए तो आज वह सवालों के घेरे में हैं। हर कोई जानना व समझना चाहता है कि जो बाल्यावस्था में घर छोड़कर दूसरे प्रदेश में पहुंचा और एक नेक दिल बाबा ने उसे सहारा दिया। क्या उक्त बाबा के पालन पोषण, शिक्षा और दीक्षा का सीला कुछ और ही निकल कर सामने आ रहा है। बरामद सुसाइड नोट में आनंद गिरि के ऊपर आरोपों की बौछार के दाग लग चुके हैं। हालांकि उत्तर प्रदेश शासन की ओर से गठित एसआईटी टीम प्रत्येक पहलुओं पर जांच पड़ताल करने में जुटी हुई है। बताया जाता है कि अशोक चोटिया से बने आनंद गिरि भीलवाड़ा के सरेरी गांव के रहने वाले हैं। उनके पिता और बड़े भाई सहित गांव वालों से संवाददाताओं ने बात की तो पता चला आनंद गिरि यहां के लिए आइकॉन हैं। स्थानीय लोग उन्हें मानते भी हैं। घर से हरिद्वार जाने के बाद वे केवल दो बार ही यहां आए।

सातवीं में पढ़ने वाला अशोक कैसे नरेंद्र गिर के संपर्क में आया

घर से निकलने के बाद नरेंद्र गिरि ने ही उन्हें रखा। वे ही आनंद गिरि को घर लेकर आए थे।

आनंद गिरि के पिता रामेश्वर चोटिया ने बताया कि 25 वर्ष पूर्व आनंद गिरि घर से बिना बताए निकल गए थे। उस समय वह सातवीं में पढ़ते थे। 13 साल तक उन्हें ढूंढने का प्रयास किया। जब घर से भाग निकले तो सभी चिंता में पड़ गए। इसके बाद गांव के ही एक बाबा के पास गए। वहां उन्होंने बस इतना ही बताया कि लड़का हरिद्वार में है। इसके बाद घरवालों ने हरिद्वार में उसे ढूंढने की कोशिश की। पता चला कि अशोक हरिद्वार में महंत नरेंद्र गिरि के यहां है। घरवालों ने महंत नरेंद्र गिरि से बात की तो 2012 में वे अशोक को लेकर उनके गांव आए। यहां परिवार के लोगों के सामने दीक्षा दिला कर आनंद गिरि नाम दिया। पिता ने बताया कि इस दौरान वे एक घंटे यहां रुके और कभी परिवार से संपर्क नहीं किया। सरेरी गांव में आनंद गिरि का मकान है। इसमें पिता समेत तीन भाइयों का परिवार रहता है। बताया जाता है कि इसमें आनंद गिरि का भी हिस्सा है।

पिता और भाई बोले- जो आरोप लग रहे हैं, वे गलत हैं

जब पिता और भाई से बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि 25 वर्ष पूर्व उन्होंने आनंद गिरि को दो बार देखा है। एक बार गांव में दीक्षा ली और दूसरी बार जब मां का देहांत हुआ तब। परिवार का कहना है कि उनका आनंद गिरि से कभी संपर्क नहीं रहा। वह परिवार को 25 साल पहले ही छोड़ चुके हैं। जो आरोप लग रहे हैं, वे गलत हैं।

एक ही घर में तीन भाइयों का परिवार

आनंद गिरि घर में सबसे छोटे हैं। पिता गांव में ही खेतीबाड़ी करते हैं। एक भाई सब्जी का ठेला लगाता है। दो भाई सूरत में कबाड़ का कारोबार करते हैं। मां की पांच महीने पूर्व मौत हो चुकी है। तीन भाइयों का परिवार गांव में ही बने पैतृक मकान में रहता है। सबसे बड़े भाई भंवर चोटिया ने कहा कि संत बनने के बाद आनंद गिरि ने कभी भी परिवार से संपर्क नहीं किया। आज भी भंवर चोटिया अपने दो भाइयों के साथ अपने पैतृक घर में ही रह रहे हैं। इस घर में अभी भी आनंद गिरी का हिस्सा है। उनके पिता का कहना है कि अगर आनंद गिरी परिवार को पैसा देता तो उनके हालात ऐसे नहीं होते। अभी तक वह लोग अपना खुद का घर भी नहीं बना पाए हैं।

पेट्रोल पंप पर बदमाशों ने दिया लूट को अंजाम 50 हजार रुपए से अधिक लेकर फरार

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कोतवाली के लालगंज-कालाकांकर हाइवे पर बुधवार को तीन नकाबपोश बदमाशों ने बेखौफ पेट्रोल पंप पर पचास हजार से अधिक की नकदी की लूट की वारदात अंजाम दी। तमंचे से लैस नकाबपोश बदमाशों ने सेल्समैन से रुपये से भरा बैग लेकर फरार हो गए। दिनदहाड़े पेट्रोल पंप पर लूट की घटना से इलाके मे सनसनी फैल गई। बेलहा निवासी विष्णु सिंह बेलहा मे श्रीशक्ति फ्यूल स्टेशन के प्रोपाइटर है। बुधवार को अपरान्ह करीब तीन बजे कोतवाली के तिना निवासी सेल्समैन राजन पाल पेट्रोल पंप पर मौजूद था। इस बीच तीन नकाबपोश बदमाश बाइक से पेट्रोल लेने के बहाने आए। देखते ही देखते बदमाशों ने तमंचे निकाल लिए और सेल्समैन को दहशत मे लेकर उसके पास मौजूद रुपयों से भरा बैग लेकर फरार हो गए। सूचना मिलते ही सीओ जगमोहन तथा कोतवाल कमलेश पाल आनन-फानन मे पेट्रोल पंप पर फोर्स के साथ पहुंचे। फरार होते समय बदमाशों की जेब से मौके पर तीन कारतूस भी गिर गया। घटना को लेकर पेट्रोल पंप के संचालक विष्णु सिंह का कहना है कि पचास हजार से अधिक की लूट हुई है। हिसाब किताब मिलाकर ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। सीओ जगमोहन का कहना है सेल्समैन से रुपये की छिनैती को लेकर सूचना पर जांच की जा रही है। तहरीर मिलने पर केस दर्ज कर घटना का खुलासा किया जाएगा। दिनदहाड़े लूट की घटना की जानकारी पर राहगीरों के साथ आस-पास के ग्रामीण भी बड़ी संख्या मे पेट्रोल पंप पर एकत्रित हो गए। बेखौफ बदमाशों के द्वारा दिनदहाड़े घटना को अंजाम दिए जाने से लोगों मे आक्रोश भी देखा गया। बता दें अभी 18 सितंबर को नगर के एक इंटर कॉलेज मे भी बदमाशों ने असलहे की नोंक पर एक शिक्षिका के साथ चैन छिनैती की दुस्साहसिक घटना को अंजाम दिया था। उस घटना मे अभी तक पुलिस के हाथ खाली है।

नौकरी करने गए युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

करछना। थाना क्षेत्र के अंतर्गत हथसरा टिकुरी गांव निवासी रामबली पटेल 32 पुत्र स्वर्गीय गिरजा शंकर पटेल गांव के बगल मदरा भगपुर गांव निवासी आशीष कुमार पटेल के साथ कई वर्षों से बाहर रहकर काम करता था। आशीष कुमार प्राइवेट कंपनी में ठेकेदारी पर गांव के कई युवाओं को ले जाकर काम कराता था। वही 3 महीने पहले आशीष के साथ दर्जनों से अधिक अगल बगल के गांव से युवाओं को बेंगलुरु में ले जाकर रेलवे के कार्यदाई संस्था के ई सी कंपनी के अंतर्गत कार्य कर रहे थे। 20 सितंबर को रामबली पटेल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जिसे लेकर कंपनी व साथ गए लोगों में हड़कंप मच गया। वही आशीष द्वारा गैंगमैन होने के चलते अधिक मुनाफा अधिक कमाने के चक्कर में ले गए युवाओं को पेमेंट कम देने के साथ दूसरे के नाम का आधार लगाकर दूसरे के स्थान पर काम कराने आदि के मामले को लेकर कंपनी ने रामबली पटेल की मौत से अपना पल्ला झाड़ लिया। और आर्थिक मदद करने से मना कर दिया । वही साथ गए किसी व्यक्ति द्वारा मृतक रामबली के परिजनों को फोन के माध्यम से घटना की सूचना दी गई। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में हड़कंप मच गया। परिजनों द्वारा आशीष कुमार पटेल पर गंभीर आरोप लगाया। आरोप है कि आशीष कुमार के द्वारा कई महीनों का रामबली के द्वारा किए गए कार्य का पेमेंट नहीं दिया गया है। मंगलवार देर रात रामबली का शव घर पहुंचते ही परिजनों में रोना पीटना मच गया। सूचना पाकर बुधवार सुबह प्रभारी निरीक्षक करछना राकेश कुमार सिंह मौके पर पहुंचकर परिजनों से मिलकर जानकारी ली और आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

शिक्षक पर हमले की निंदा, आरोपियों के गिरफ्तारी की उठी मांग

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। परिषदीय विद्यालय जनपद गोंडा में कार्यरत शिक्षक से तेलियरगंज में असामाजिक तत्वों ने मारपीट की जिससे शिक्षक को गम्भीर चोट आई।थाना शिवकुटी में शिक्षक द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कार्यवाही कर रही है। गौर तलब है कि शिक्षक अमर बहादुर पुत्र भुल्लर निवासी उमरिया सारी थाना मऊआइमा के निवासी है 20 सितम्बर को रात्रि 8 बजे तेलियरगंज में कुछ

असामाजिक तत्वों ने घेराबंदी कर बुरी तरह से मारा पीटा जिससे उन्हें गम्भीर चोटे आई। स्थानीय लोगो की सहायता से इन्हें पहले बेली अस्पताल फिर स्वरूपरानी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। समाजिक संगठनों ने घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए दोषियों को तत्काल गिरप्तार किये जाने की मांग की गई है।गिरप्तारी की मांग करने वालो में प्रमुख रूप से रामवृज गौतम,डॉ आर पी गौतम, रविन्द्र गांधी,डॉ जिया लाल प्रभाकर, सीएल कुशवाहा आदि ने मांग की है।

गरीबों तक पहुंच रही मोदी-योगी की योजनाएं : विनोद सोनकर

बाबागंज विधान सभा के कई गांव का सांसद ने किया भ्रमण

अखंड भारत संदेश

कुण्डा, प्रतापगढ़। मोदी योगी की सरकार में विकास की योजनाएं पात्र लोगों तक पहुंच रही है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के सभी वर्ग के लोगों को सीधे बैंक से जोड़कर सरकार की योजनाएं उनके बैंक खाते में पहुंच रही है। उक्त बातें कौशाम्बी सांसद/भाजपा के राष्ट्रीय सचिव/सभापति संसदीय आचार समिति एवं प्रभारी त्रिपुरा राज्य विनोद सोनकर ने मंगलवार एवं बुधवार को बाबागंज विधानसभा के रेवली गांव में राशन वितरण के दौरान कही।

सांसद विनोद सोनकर ने बाबागंज विधानसभा के कंदई, मनार, पनिगो, भददिव, अरुहारी, किंधौली, नेवादा खुर्द,रमईपुर एवं खनवारी में राशन वितरण किया। मंगलवार को हीरागंज में रात्रि प्रवास करने के बाद सुबह हीरागंज में

लोगों से मिलकर कुशल क्षेम पूछा। कार्यक्रम में भाजपा नेता अभय प्रताप सिंह पप्पन, पूर्व प्रत्याशी पवन गौतम, जिला उपाध्यक्ष राजन मिश्र, कमलेश सोनकर, सांसद मीडिया प्रभारी भूपेन्द्र पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष अमर जीत सिंह, भूपेन्द्र तिवारी, उदय शंकर पाण्डेय, राम कुमार कोरी, केशव पासी, कुलदीप तिवारी, अमन पटवा, दिनेश तिवारी, सन्तोष शुक्ल, अभिषेक पाण्डेय, अनीश तिवारी, अजय पटेल, सद्दाम सिद्दीकी, मनोज पटेल, रणजीत गिरि, रंजीत पटेल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट, नौ घायल

बाघराय, प्रतापगढ़। बाघराय थाना क्षेत्र के रामपुरकोटवा गांव में भोर में छह बजे के करीब जमीनी विवाद के चलते दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई जिसमें 9 लोग घायल हो गये। गांव में ही गांव के राम आसरे तिवारी ने दुकान खोल रखी है। सुबह-सुबह ही गांव के फूलचंद आदि लोगों ने दुकान पर आकर दुकान में तोड़फोड़ शुरू कर दी। विरोध करने पर दोनों पक्षों में जमकर लाठी-डंडे व अन्य सामानों से मारपीट शुरू हो गई। एक पक्ष से सत्य प्रकाश, रमेश चंद्र, राज नारायण, राम आसरे तिवारी, रामेंद्र तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गए। दूसरे पक्ष से फूलचंद गौतम, विजय, शालिनी पुत्री फूलचंद, रोहड़ी देवी पत्नी फूलचंद गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर पुलिस ने पहुंचकर सभी घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी बाघराय पहुंचावाया इधर रामेंद्र सत्य प्रकाश चंद्रपाल रामाश्रय तिवारी की हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने यह आर यन प्रयागराज रेफर कर दिया। वहीं फूलचंद विजय शालिनी रोहिडी को डॉक्टरों ने इलाज हेतु जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

प्रदेश सचिव के प्रथम आगमन पर रानीगंज में हुआ स्वागत

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं सचिव उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी का रानीगंज कांग्रेसी कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया और कार्यकर्ताओं द्वारा राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के द्वारा पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बृजेन्द्र मिश्रा को प्रदेश सचिव बनाये जाने पर आभार व्यक्त किया। स्वागत के दौरान श्री मिश्र ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम अपने नेतृत्व के आभारी हैं, जो हमें जिम्मेदारी दी है।

उसे हम अपने पूरी ऊर्जा के साथ पद का निर्वहन करुगा और नेतृत्व के भरोसे पर खरा उतरने का काम करूंगा। श्री मिश्र ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गौरा एवं शिवगढ़ के पूर्व ब्लॉक प्रमुख कमला पांडेय के मूर्ति पर माल्यार्पण किया। स्वागत के दौरान उपस्थित विमल सिंह एडवोकेट, पूर्व महासचिव पशुपति नाथ, उपाध्यक्ष आशीष तिवारी, चरण सिंह यादव, अरविंद तिवारी, पूर्व सचिव रामकुमार पटेल, अकबर अली, इस्तियाक अहमद, राजू पटेल, राकेश तिवारी, संतोष शर्मा, पप्पू शुक्ला शारदा प्रसाद आदि लोग मौजूद रहे।

किताब पाकर खिले नौनिहालों के चेहरे

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। प्राथमिक पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में शासन की मंशा के अनुरूप विद्यालयों में निशुल्क पाठ्य पुस्तक उपलब्ध कराई जा रही है इसी क्रम में बुधवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुधीर कुमार सिंह के आदेशानुसार प्राथमिक विद्यालय बारडीह विकास क्षेत्र पट्टी में प्रधान प्रतिनिधि स्वतंत्र कुमार सिंह राना की उपस्थिति में बच्चों को निशुल्क पाठ्य पुस्तक का वितरण किया गया। पुस्तक पाकर विद्यालय बच्चे खुश नजर आए प्रधान प्रतिनिधि ने पुस्तक वितरण करने के बाद कहा कि सरकार बच्चों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तक प्रदान कर रही है। अभिभावक भी विद्यालयों में बच्चों को भेजें और सरकार द्वारा प्रदान कराई जा रही निशुल्क व्यवस्था का लाभ लें जिससे विद्यालय का नाम रोशन हो हम लोग विद्यालय के सहयोग में अपना सहयोग प्रदान करें। साथ ही प्रधानाध्यापक लालजी यादव ने कहा वह विद्यालय को प्रेरक विद्यालय बनाने में अपना शत प्रतिशत योगदान देंगे /शासन की मंशा के अनुरूप बच्चों को कोविड-19 जैसी महामारी के बाद खुले विद्यालय में बच्चों को भेजने में साफ सफाई का ध्यान रखें विद्यालय के प्रधानाध्यापक लालजी यादव, पवन गुप्ता सहायक अध्यापक एवं अभिभावक ग्रामीण उपस्थित रहे।

दबंगों ने अवकाश प्राप्त शिक्षक के बेटे व पत्नी पर किया जानलेवा हमला

सम्पत्ति की लालच में बूढे मां-बाप का रहना कर दिया है दुश्वार, रिपोर्ट दर्ज

अखंड भारत संदेश

कुण्डा, प्रतापगढ़। कुण्डा तहसील के महेशगंज थाना क्षेत्र के चितावन का पुरवा पटना नहर चौराहे के पास सशस्त्र दबंगों ने महेन्द्र कुमार द्विवेदी सुत पं0 राम सेवक द्विवेदी तथा उनकी 75 वर्षीय मां शिवकन्या देवी पत्नी राम सेवक द्विवेदी को लाठी-डण्डे से मारकर बुरी तरह घायल कर दिया। वृद्ध माता शिवकन्या का सिर फट गया है और महेन्द्र द्विवेदी को भी गंभीर चोटें आई हैं। दोनों लोगों को उपचार के लिये प्रयागराज के स्वरुपरानी अस्पताल में भर्ती

कराया गया है। घटना के बारे में बताया जाता है कि पंडित राम सेवक द्विवेदी अवकाश प्राप्त प्रधानाध्यापक हैं। वह अपने घर पर ही बीमारी अवस्था में इलाज करा रहे हैं। उनकी पत्नी शिवकन्या ही उनकी सेवा करती हैं। उनके तीन बेटे हैं, तीनों बाहर रहते हैं, इसलिये क्षेत्र के दबंग सम्पत्ति कब्जा करने के उद्देश्य से बूढ़ी मां पर जानलेवा हमला किया है। इस सम्बन्ध में घायल महेन्द्र कुमार द्विवेदी की तहरीर पर एक दर्जन आरोपियों के विरुद्ध भादवि की धारा-147, 148, 149, 307, 308, 452, 427, 379, 336, 504, 506 के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है। महेशगंज थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पीड़ितों का कहना है कि दबंग लोग बूढे माता-पिता का गांव में रहना दुश्वार कर दिये हैं। चितावनपुर में बने शिव मंदिर पर जान के रास्ते पर भी दबंग रोक रहे हैं और अपना कब्जा बता रहे हैं। इसको लेकर भी इन दबंगों के विरुद्ध पहले भी तहसील दिवस में प्रार्थना पत्र दिये जा चुके हैं लेकिन कोई कार्यवाही नहीं होने से दबंगों का मनोबल बढ़ा है और इस तरह की घटना को अंजाम दे रहे हैं।

शिकायत पर आवास जांच के लिए पहुंची टीम

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। आवास में धांधली की शिकायत होने पर टीम गांव पहुंच गई। ग्राम पंचायत उदईशाहपुर में आवास की जांच करने पहुंचे एडीओ पंचायत आसपुर देवसरा देवसरा ने बताया कि ग्राम पंचायत उदईशाहपुर के मुन्ना लाल हरिजन पुत्र रामफेर ने शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया था कि रजिया पत्नी मकबूल, पार्वती पत्नी लाल बहादुर, नीलम पत्नी सभापति के पास पक्का मकान है तथा आवास के अपात्र हैं इनको आवास दिया जा रहा है। जिसकी जांच करने के लिए एडीओ पंचायत आसपुर देवसरा, ग्राम पंचायत अधिकारी श्रीमती संगीता सरोज आदि शिकायतकर्ता के बताएं लोगों के घर जाकर जांच किया। जांच में पाया गया कि शिकायतकर्ता की शिकायत गलत व बेबुनियाद थी। शिकायतकर्ता जो भूतपूर्व प्रधान के यहां काम करता है। जांच अधिकारी एडीओ पंचायत आसपुर देवसरा ने बताया कि किसी के पास बताए गए नाम में पक्का मकान नहीं मिला। जांच में सभी पात्र पाए गए।

युवक को पीटकर किया जख्मी

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। मजदूरी करने गए एक युवक को आरोपी ने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए जमकर मारा पीटा पीड़ित ने किसी तरह अपनी जान बचाई और मामले की तहरीर थाने में दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। कंधई थाना क्षेत्र के ग्राम अहियापुर के रहने वाले मनोज कुमार पुत्र राम सुमेर ने कंधई थाना में तहरीर देकर बताया कि वह बुधवार को शाम पांच बजे गहरी चक गांव के अजीत मिश्रा के घर मजदूरी करने के लिए गया था तभी एक युवक ने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए जमकर मारा पीटा लात-घूसों से पीटकर जख्मी कर दिया। मौजूद लोगों ने उसे बचाया तो वह किसी तरह से भाग कर थाने पहुंचा और मामले की तहरीर थाने में दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

भटक रही बालिका को प्रधान पति ने पुलिस की मदद से परिजनों से मिलवाया

अखंड भारत संदेश

बाघराय, प्रतापगढ़। कुंडा कोतवाली के शेरगढ़ चौराहा निवासी राजेश कुमार साहू की बेटी साक्षी साहू (14) वर्ष घर से किसी बात से नाराज होकर पैदल ही जगह जगह भटकने लगी भटकते भटकते रात्रि में 9 बजे के करीब बिहार नहर के पास अकेले टहल रही थी तभी ग्रामीणों ने इसकी सूचना देवरपट्टी गांव के प्रधान पति अमर सिंह यादव को फोन पर दी। फोन पर जानकारी मिलते ही प्रधान पति अमर सिंह मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष बाघराय मौके पर पहुंच गए। इधर लगभग 6 घंटे बाद चाइल्ड हेल्पलाइन जनपद प्रयागराज की टीम आई व बालिका को सीधे लेकर चाइल्ड हेल्प लाइन ले गई उधर बालिका का आधार कार्ड मिल जाने से उसके नाम गांव का ठिकाना पता चल सका। सूचना मिलने पर बालिका के परिजन चाइल्ड हेल्प लाइन प्रतापगढ़ पहुंच कर बालिका को अपने घर ले गए।

नगर की मुख्य बाजारों ने नगर पालिका का चला अतिक्रमणविरोधी अभियान

सड़क के किनारे व नाले-नालियों पर रखी गुमटियों को हटाया गया

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर पालिका ने बुधवार को नगर में विभिन्न स्थानों पर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाकर नाले-नालियों पर कब्जा करने वाले गुमटियों को न केवल हटाया बल्कि उन पर जुर्माना भी ठोंका।

सबसे पहले नगर पालिका के कर्मचारी राजकीय बालिका इंटर कालेज के चारों तरफ चूड़ी, कपड़ा बेंचने वाले नाले-नालियों पर गुमटी रखकर अतिक्रमण किये हुए थे। उनकी गुमटियां हटाई गई। दो गुमटी नगर

पालिका उठा ले गई।

फिर पंजाबी मार्केट, फलमण्डी, ठठेरी बाजार में भी गुमटियां इसी तरीके से अतिक्रमण करने वाली को हटाया गया तथा एक-एक हजार का जुर्माना ठोंका गया।

नाले-नालियों तथा सड़क पर अतिक्रमण करने वालों से लगभग दस हजार रुपये की वसूली नगर पालिका ने की। इसके बाद चौक के आसपास अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरु हुआ, जहां सड़क के किनारे प्लास्टिक की दुकान, लोहे की जाली आदि बेंचने वालों से भी एक-एक हजार का जुर्माना किया गया। बुधवार को दिन में नगर पालिका की इस कार्यवाही से नगर के दुकानदारों में हड़कंप रहा।

कई दुकानदार तो अपनी गुमटी हटा ली और लेकर भागे। यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि नगर पालिकाध्यक्ष प्रेमलता सिंह और ईओ मुदित सिंह के निर्देशन में नगर पालिका के लगभग 30 कर्मचारी जेसीबी व ट्रैक्टर लेकर बाजारों में अतिक्रमण हटाने का एनाउंसमेंट कर रहे थे। जिन लोगों ने इस दौरान अपनी गुमटी या अतिक्रमण हटा लिया, वह तो बच गये अन्यथा अन्य लोगों को जुर्माना सहना पड़ा। अतिक्रमण विरोधी इस अभियान में सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह के अलावा आरआई लाल बहादुर सिंह, राजेश बिंद, सफाई प्रभारी प्रशांत सिंह, आशीष मिश्रा, ओपी शुक्ला आदि लोग रहे। नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह ने कहा कि नगर को साफ-सुथरा रखने के लिये सड़कों व नालियों पर लोग अतिक्रमण न करें अन्यथा इसी तरीके की कार्यवाही नगर पालिका भविष्य में भी करेगी।

चयन वेतनमान जारी न होने पर बीएसए कार्यालय पर शिक्षकों ने दिया धरना

प्राथमिक शिक्षक संघ के आहवान पर हुआ कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर शिक्षकों के चयन वेतनमान जारी न करने के विरोध में जिलाध्यक्ष रमाशंकर शुक्ल की अध्यक्षता में धरने का आयोजन किया गया। धरने में जिले के सभी विकास खंड से बहुतायत संख्या में शिक्षक उपस्थित हुए।

शिक्षक संघ का कहना है कि चयन वेतनमान को लागू करने में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा तथा विभाग के लिपिक धर्मेंद्र कुमार द्वारा लगातार लापरवाही बरतने के कारण शिक्षकों का अहित हो रहा है। इसी क्रम में धरने में उपस्थित वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश पांडेय ने कहा कि शिक्षकों के की अनेक मांगों जिसमें मृतक आश्रित तथा कोविड काल में मृत लोगों के परिजनों को समायोजित करने की दिशा में भी विभाग द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। शिक्षक संघ यह कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। जिला मंत्री विनय सिंह ने कहा कि जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं हो जाती हैं यह धरना अनवरत चलता रहेगा। जिला कोषाध्यक्ष राजेश पांडेय ने सभी शिक्षकों को एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करने के लिए आवाहन किया। मांडलिक मंत्री प्रयागराज अनिल पांडेय ने शिक्षकों का सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण कर उनका एरिया और वेतन तत्काल देने की मांग की। धरने का संचालन जिला कार्यसमिति के सदस्य प्रभाशंकर पांडेय ने किया। इस अवसर पर पंकज तिवारी, रामानंद मिश्रा, रामकुमार सिंह, सुशील सिंह, अनिल पांडेय, मानवेंद्र, प्रभाकर प्रताप सिंह, राजीव गुप्ता, मनोज पांडेय, सुधीर सिंह, नवीन शुक्ला, जैनेंद्र सरोज, राकेश सिंह, विजय मिश्र, पन्नालाल आदि उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में दो अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। थाना क्षेत्र रानीगंज के जाजापुर में देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान पीआरवी-1985 पर नियुक्त हे0का0 काशी प्रसाद मिश्रा, का0 पंकज यादव व हो0गार्ड विजय सिंह के द्वारा मोटर साइकिल पर सवार दो व्यक्तियों को रोका गया तो पुलिस टीम को देखकर मोटर साइकिल पर पीछे बैठा व्यक्ति मोटर साइकिल पर से अन्धेरे का सहारा लेकर कूद कर भागा जिसका उक्त पुलिस टीम के सदस्य द्वारा पीछा किया गया पर वह झाड़ियों में कही छिप गया।

लालगंज की है अस्पताल में भर्ती लावारिस महिला

प्रतापगढ़। मेडिकल कालेज जिला अस्पताल के मेडिकल वार्ड में भर्ती लावारिस बुजुर्ग महिला (65) लालगंज इलाके की रहने वाली है। इलाज कर रहे डॉक्टर मनोज खत्री को उसने जानकारी दी है। जिसके अनुसार उसका नाम शाबिर पति का नाम मुंशी रजा है। इसके अलावा वह कुछ भी बता नहीं पा रही है। उसे घरवालों का इंतजार है। जानकारी के अनुसार कुछ दिनों पहले बुजुर्ग को लावारिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मेडिकल वार्ड में फिजिशियन मनोज खत्री उसका इलाज कर रहे हैं। राउंड लेने गये डॉक्टर खत्री ने महिला से पूछा तो उसने अपना नाम शाबिर पति का नाम मुंशी रजा लालगंज बताया है। डॉक्टर के अनुसार महिला बस, इतना ही बता पा रही है। अगर लालगंज पुलिस सक्रिय हो जाये तो महिला का सुराग लग सकता है। बता दें कि कुछ महीने पहले भी एक लावारिस महिला इसी तरह से भर्ती हुई थी। बाद में डॉक्टर खत्री की मदद से वह परिजनों तक पहुंच पाई थी।

उद्योग व्यापार मण्डल ने निधन पर जताया शोक

राम शंकर जायसवाल के प्रतिष्ठान पर हुई बैठक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की बैठक प्रांतीय उपाध्यक्ष राम शंकर जायसवाल के प्रतिष्ठान पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष लखन बाबा की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसका संचालन जिला महामंत्री संजय सोनी ने किया।

शोकाकुल बैठक में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों एवं व्यापारियों ने सर्वप्रथम विगत दिनों पूर्व रेडीमेड एसोसिएशन के पूर्व पदाधिकारी प्रमोद केसरवानी की ताईजी, व्यापार मंडल के नगर युवा अध्यक्ष मो. अख्तर राइन की माताजी तथा रामलीला कमेटी के पूर्व अध्यक्ष बर्तन व्यवसाई श्याम सिंह की माताजी के ब्रह्मलीन हो जाने से उन सभी दिवंगत आत्मांओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि वक्तव्यों में प्रांतीय उपाध्यक्ष राम शंकर जायसवाल

ने मां को ईश्वर के समकक्ष होना बताया। जिला महामंत्री संजय सोनी ने कहा कि संपूर्ण ब्रह्मांड की जननी मां होती हैं। लखन बाबा ने कहा हमारे अंदर की ऊर्जा मां बाप के आशीर्वाद और उनके प्रताप का कारण होता है। बैठक में प्रमुख रूप से राजेन्द्र कुमार केसरवानी, वृष्ण मोहन केसरवानी, अश्विनी केशरवानी, सुनील जायसवाल, राहुल केसरवानी, इफ्तेखार बॉबी, सिद्धार्थ सिंह, शुभम जायसवाल, दीपांशु सिंह, उवैद उल्ला जाफरी, पंकज केसरवानी, हरीश सोनी, सतीश सोनी, बब्बू जय, बनवारीलाल केसरवानी आदि अन्य व्यापारीगण उपस्थित रहे।

जीआरपी के हत्थे चढ़ा बनारस का शातिर, दो मोबाइल बरामद

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। ट्रेन में आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में छिपकर बैठे शातिर को जीआरपी ने प्लेटफार्म पर दौड़ा कर पकड़ा। तलाशी के दौरान चोरी के दो मोबाइल मिले है। पूछताछ में उसने अपना नाम जावेद पुत्र स्वर्गीय अब्दुल रहमान निवासी कोयला बाजार थाना आदमपुर जिला बनारस बताया है। पुलिस के अनुसार अमेठी स्टेशन पर जावेद को पकड़ा। उसके पास से मिले मोबाईल के बारे में जावेद ने बताया कि ट्रेनों में यात्रियों से चुराये थे।

खबर संक्षेप

लूट का वांछित अभियुक्त हुआ गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना कड़ाधाम पुलिस उपनिरीक्षक वीरेंद्र कुमार चौकी प्रभारी घोसियाना मय हमराह कांस्टेबल मुकेश कुमार व कांस्टेबल अरविंद कुमार द्वारा वारण्टी अभियुक्त छोटू उर्फ सुनील पुत्र ननकू लाल रैदास निवासी नरसिंहपुर कछुआ थाना सैनी को छगलिया चौराहा के पास से गिरफ्तार कर जामातलाशी से 1400 रूपेव दो मोबाइल फोन बरमाद कर अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

हत्या करने वाले अभियुक्त हुए गिरफ्तार

कौशाम्बी। जिले में अपराध एंव अपराधियो ने विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थानाध्यक्ष सराय अकिल मय फोर्स द्वारा हत्या करने जैसा जघन्य अपराध का सफल अनावरण के पश्चात चार अभियुक्तो को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है

सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते हुए अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जिले में अपराध एंव अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में कड़ाधाम पुलिस द्वारा छः अभियुक्तो को सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया गया है जानकारी के मुताबिक उपनिरीक्षक बिपलेश सिंह मय हमराह पुलिस बल द्वारा दारानगर ट्यूबेल के पास से रमाकांत मिश्रा पुत्र स्व0 राममूरत मिश्रा सूरजभान पुत्र शिवप्रकाश संतोष चौधरी पुत्र लखनलाल लक्ष्मीकांत पांडेय पुत्र स्व0 राधेश्याम राजाराम पुत्र बंशीलाल निवासीगण ग्राम म्योहर थाना कड़ाधाम को सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया गया है और इनके कब्जे से 2150 रुपए व जमा तलाशी के दौरान 750 रुपए बरमाद कर अभियुक्तो का चालान न्यायालय कर दिया है।

ओसा मंडी में आशा सम्मेलन आज

कौशांबी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना के अंतर्गत जनपद स्तरीय आशा सम्मेलन का आयोजन 23 सितंबर को नवीन मंडी स्थल परिसर ओसा के प्रांगण में किया गया है आशा सम्मेलन में वर्ष 2020--21 में किए गए कार्यों के आधार पर प्रत्येक विकास खंड से चयनित सर्वोत्तम आशाओं को पुरस्कृत किया जाएगा इस कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष विधायक और जिला अधिकारी सहित तमाम माननीय मौजूद रहेंगे उक्त जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ केसी राय ने दी है।

करोड़ों रुपए की विधायक ने दी सौगात

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता ने नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 18 मोतीलाल आजाद नगर काशिया में विकास कार्यों का निरीक्षण करते हुए सभी स्थानीय नगर वासियों से सीधा संवाद किया साथ ही पाल मोहल्ले की चंद्रावती देवी ने मोहल्ले के घरों में बारिश का पानी भर जाने की शिकायत किया विधायक चायल को सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर उन्होंने मोहल्ले वालों को आश्वस्त किया और सभी खराब सड़कों व नालियों का तत्काल नगर पालिका परिषद लिपिक को कड़ी फटकार लगाते हुए निर्देशित किया कि तत्काल नाप करा कर एस्टीमेट बनवा कर इसमें काम लगाया जाए और जहां पर जलभराव की समस्या है वहां जल निकासी हेतु पुलिया डलवाई जाए इस मोहल्ले वालों को जलभराव से परेशानी ना उठाना पड़े वा मोहल्ले के खराब हैंडपंप को तत्काल रिबोर कराने और दो नया हैंडपंप स्थापित करने के लिए उन्होंने निर्देशित किया।

व्यवस्था का निरीक्षण करते चायल विधायक संजय गुप्ता

जन चौपाल के माध्यम से विधायक ने जनता से स्थापित किया संवाद

कौशाम्बी। विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता ने अपने विधानसभा क्षेत्र के उमरछा गांव में सेवा सतकार कार्यक्रम के अंतर्गत जन चौपाल का कार्यक्रम किया गांव में समस्त ग्रामवासी के साथ-साथ विधायक ने कार्यकर्ताओं से भी जन संवाद स्थापित किया विधायक श्री गुप्ता ने कहा कि यह आपका विधायक आपके बीच सदैव रहने वाला विधायक है आप दिन के चौबीसों घंटे अपने विधायक से अपनी शिकायत बता सकते हैं मेरी पूरी कोशिश रहती है कि संबंधित अधिकारियों द्वारा इन समस्याओं को निस्तारण भी कराता हूं विधायक ने कहा कि यह आपका विधायक आप सभी के लिए सदैव समाज में तत्पर रहता है विधायक ने मोदी और योगी सरकार की उपलब्धियों को भी गिनाया और कहां की आज हमारी भाजपा सरकार में हर किसी को सम्मान के साथ जीने का अधिकार मिला है किसी के साथ ऊंच-नीच का भेदभाव नहीं किया। स्थानी जनमानस की मांग पर विधायक ने 1 हाई मास्ट लगवाने की घोषणा किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला महामंत्री दीपक दिवाकर मंडल अध्यक्ष मनोज शुक्ला राममिलन चौधरी योगेश साहू पवन त्रिपाठी मान सिंह पटेल दिनेश श्रीवास्तव देशराज सरोज कैलाश निषाद संतलाल पटेल सहित पार्टी के पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

गोमती देवी ने कहा विधायक जी मैं भी आपकी बिटिया हूं

कौशाम्बी। विधायक चायल के जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान गोमती देवी नाम की बेटी ने बड़े ही मासूमियत से कहा कि विधायक जी आप अपनी विधानसभा की सभी बेटियों को अपनी बेटी का दर्जा देते हैं और आपका अभियान भी है मेरी बेटी मेरा स्वाभिमान क्या मैं भी आपकी बेटी हूं विधायक संजय कुमार गुप्ता ने बेटी गोमती देवी की बातों को सुनकर बड़े ही प्यार से पूछा कि अपनी समस्याओं को बताओ बेटा गोमती देवी ने कहा कि मैं बीटीसी की पढ़ाई करना चाहती हूं परंतु मेरे पास पैसे की समस्या है मेरे पिताजी मजदूरी करके किसी तरह घर का पालन पोषण करते हैं विधायक ने बेटी गोमती देवी के सर पर हाथ रखते हुए कहा कि मैं तुम्हें वचन देता हूं कि आपको पूरी बीटीसी की शिक्षा दिलाऊंगा।

भाजपा ने युवा मंडल अध्यक्षों की सूची जारी

कौशांबी। विधानसभा का चुनाव नजदीक आते ही भारतीय जनता पार्टी ने भी अपने संगठन को मजबूत करने की ठान ली है इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी ने युवा मंडल अध्यक्षों की सूची जारी की है विधान सभा चायल के मंडल चायल से अवधेश शुक्ला को मंडल अध्यक्ष बनाया गया है। नेवादा मंडल से शिवम केसरवानी सराय अकील मंडल से शिवम गुप्ता मुरतगंज मंडल से जितेन्द्र कुमार मौर्य काजू मंडल से टीकम चौरसिया को मंडल अध्यक्ष बनाया गया है। इसी तरह मंझनपुर विधान सभा के मंझनपुर मंडल से ज्ञान चंद्र करारी मंडल से लवकुश विश्वकर्मा म्योहर मंडल से भोला प्रसाद मौर्य कौशाम्बी मंडल से रोहित मिश्रा सरसंवा मंडल से प्रदीप मिश्रा पश्चिम शारीरा मंडल से लवलेश सिंह लोधी को मंडल अध्यक्ष बनाया गया है। इसी तरह सिराथू विधान सभा के सिराथू मंडल से विवेक कुमार मौर्य कसिया मंडल से सूरज विश्वकर्मा कड़ा मंडल से अमित कुमार पंडा अझुआ मंडल से अतुल कुमार त्रिपाठी को मंडल अध्यक्ष बनाया गया है मंडल अध्यक्ष बनाए जाने की जानकारी मिलने पर उनके समर्थकों ने मंडल अध्यक्षों को माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया है।

मौत के सौदागर चिकित्सक के घुटने पर गिर पड़े व्यवस्था के जिम्मेदार

● जिंदा लाश की तरह स्वास्थ्य विभाग व पुलिस के जांच अधिकारी निगल गए तमाम सबूत

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। हजारों लोगों की भीड़ की आवाज सुनकर जिसे पुलिस ने आरोपी मानकर गिरफ्तार किया 3 दिन हवालात में रखा आरोपी के विरुद्ध पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया उसी को विवेचना और जांच के दौरान थाना पुलिस क्लीन चिट दे रही है आरोपी चिकित्सक को बचाने का स्वास्थ्य विभाग ने भी जिम्मेदारी ले ली है और तमाम साक्ष्य को स्वास्थ विभाग निगल गया है और मौत के सौदागर चिकित्सक को क्लीन चिट दे दी है जिसे आधार मानकर विवेचक भी आरोपी चिकित्सक को बरी करने के राह पर चल पड़े हैं।

जिले की कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट है अपराधी मौज कर रहे हैं और जांच के नाम पर अधिकारी मालामाल हो रहे हैं आला अधिकारी बेबस दिखाई पड़ रहे हैं ताजा मामला चायल तहसील क्षेत्र के तिल्हापुर स्थित मौत के सौदागर चिकित्सक का है 16 जून को गणेश अस्पताल तिल्हापुर में चिकित्सकों की लापरवाही से इलाज के दौरान मोनी केशरवानी उम्र 22 वर्ष पत्नी अजय कुमार की मौत हो गई मौत होते ही आसपास के हजारों लोगों ने अस्पताल को घेर लिया और आरोपी चिकित्सक की गिरफ्तारी की मांग करने लगे जानकारी मिलते ही कई थाने की फोर्स मौके पर पहुंच गई आरोपी चिकित्सक अस्पताल संचालक सहित कई लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया 3 दिनों तक आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में रक्खा आरोपियों के विरुद्ध थाना में मुकदमा भी दर्ज हुआ फिर मोटी रकम लेकर आरोपियों को मुचलके पर रिहा कर दिया इस मामले में पुलिस ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि स्वास्थ्य विभाग का मामला है वह जांच करेगा जब स्वास्थ्य विभाग की जांच की बारी आई तो जांच अधिकारी आरोपी चिकित्सक के घुटने पर गिर पड़े और लाखों की रकम लेकर मौत के सौदागर चिकित्सक को क्लीन चिट दे दिया स्वास्थ्य विभाग के जांच अधिकारी ने अपनी जांच में लिखा है कि जिस समय मोनी की मौत हुई है उसके 1 महीने पहले अस्पताल बंद है जबकि यह सरासर झूठ है अस्पताल लगातार खुल रहा है और गणेश अस्पताल में इलाज के दौरान मोनी की मौत हुई है इसी आधार को मानकर पिपरी थाने के विवेचक ने भी आला अधिकारियों को रिपोर्ट भेज दी कि अस्पताल बंद था और बंद अस्पताल में मौत नहीं हुई अब सवाल उठता है कि जिस अस्पताल में हंगामा करने में हजारों लोग थे हजारों लोगों की भीड़ के बीच से पिपरी पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करके ले गई है और 3 दिनों तक हवालात में रखने के बाद मुचलके पर उसे बरी किया किस आधार से थाना पुलिस ने आरोपी को भी क्लीन चिट दे दी है। चचाओं पर जाए तो आरोपी से मोटी रकम वसूली के बाद आरोपी को क्लीन चिट दी गई है इस तरह यदि जिले में मौत के सौदागरों को बचाने का खेल चलता रहेगा तो कैसे योगी सरकार की स्वच्छ छवि आम जनता के बीच कायम होगी। यह बड़ा सवाल है योगी सरकार की व्यवस्था को कलंकित कर मौत के सौदागरों को क्लीन चिट देने के बाद अभी तक इस मामले में पुलिस अधिकारियों प्रशासनिक अधिकारियों ने जांच अधिकारियों के कारनामों को संज्ञान नहीं लिया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के और थाना पुलिस के कारनामों के जिलाधिकारी ने संज्ञान लिया तो दोनों का निलंबन तय है।

जनप्रतिनिधियों प्रधानों को दिया गया एक दिवसीय प्रशिक्षण

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। नवनिर्वाचित प्रधानों का प्रशिक्षण कार्यक्रम विकास भवन के सरस हाल में आयोजित हुआ। इसका शुभारंभ खंड विकास अधिकारी सुधीर कुमार ने किया। जिला पंचायत राज अधिकारी डॉ. बालगोविंद श्रीवास्तव ने ग्राम प्रधानों को प्रशिक्षण दिया मंझनपुर विकास खंड के 50 ग्राम प्रधानों ने एक दिवसीय प्रशिक्षण में भागीदारी किया। प्रदेश से चयनित प्रभाकर सिंह और मास्टर ट्रेनर रत्नेश शर्मा ने ग्राम पंचायत के प्रधानों को पंचायत व्यवस्था और स्वरूप के बारे में बताया। साथ ही खुली बैठक के कार्य और लाभ के बारे में प्रधानों को बताया गया। तथा समितियों के बारे में विस्तार से समझाया गया। प्रभाकर ने जीपीडीपी तथा केंद्रीय और राज्य वित्त आयोग के बारे में ग्राम पंचायतों के पुरस्कार के बारे में बताया तथा आय के स्रोत एवं ग्राम पंचायत कैसे अपनी आय बढ़ाए। एडीओ पंचायत कमलाकांत मिश्रा ने प्रशिक्षण के दौरान ग्राम प्रधानों के कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंझनपुर विधायक लाल बहादुर ने कहा कि कौशाम्बी की पंचायत व्यवस्था में ऐतिहासिक चार चांद तब लगेंगे, जब सरकारी योजना जन-जन तक ग्राम प्रधानों के माध्यम से पहुंचेगी। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि हुबलाल दिवाकर, हनुमान प्रसाद, मानसिंह सहित तमाम ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण में उपस्थित ग्राम प्रधान

शिकायतों के निवारण में लापरवाही न करें अधिकारी : कल्पना सोनकर

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। मंझनपुर स्थित जिला पंचायत कार्यालय में जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर ने प्रत्येक बुधवार की तरह इस बार भी जनसुनवाई किया जनसुनवाई के दौरान आम जनमानस की 158 शिकायती पत्र प्राप्त हुए, जिसमें 34 शिकायतों को जिला पंचायत अध्यक्ष ने मौके पर ही निस्तारण किया। शेष शिकायतों को निस्तारण हेतु संबंधित विभाग को निर्देशित किया। जनसुनवाई के दौरान जिले भर से आये हुए फरियादियों की समस्याओं से वह मुखातिब हुई। अध्यक्ष के सामने अवैध कब्जे के शिकायती आयी जिसके निस्तारण के लिए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है। जनसुनवाई में 158 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें हैंडपम्प, रास्ता व मारपीट, प्रधानमंत्री आवास से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई। जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर ने 34 शिकायतों को तत्काल अधिकारियों से वार्ता करते हुए निस्तारित किया है, शेष शिकायतों को निस्तारण हेतु संबंधित विभाग को निर्देशित किया है। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि जितेन्द्र सोनकर सहित अमित, मण्डल अध्यक्ष महेश लोधी, धर्मेन्द्र सरोज क्षेत्रीय मंत्री युवा मोर्चा, नरेन्द्र चौधरी, पुष्प राज सिंह, गोरे लाल प्रजापित, अजय सिंह, दीपा श्रीवास्तव, गोलू, जितेन्द्र सहित काफी लोग रहें।

आम जनता की समस्याओं को सुनती जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर

चार दिन से अंधेरे में है जनपद मुख्यालय वासी

कौशांबी। जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है बिजली विभाग के मनमर्जी बढ़ती जा रही है इससे आम जनता त्रस्त है और बिजली अधिकारियों के कारनामे का खामियाजा योगी सरकार को भुगतना पड़ सकता है। जनपद मुख्यालय के नेहरू नगर सहित नगर के विभिन्न मोहल्लों में 4 दिनों से विद्युत सप्लाई बाधित है जिला मुख्यालय में अधीक्षण अभियंता अधिशाषी अभियंता सहायक अभियंता सहित भारी संख्या में विद्युत अधिकारियों की भारी भरकम फौज खड़ी है लेकिन 4 दिन बीत जाने के बाद भी जनपद मुख्यालय की बिजली व्यवस्था सुचारू नहीं हो सकी है। जनता बार बार अधिकारियों से विद्युत व्यवस्था ठीक करने की मांग कर रही है पर अधिकारी धृतराष्ट्र बने हैं। तीन दिन से बिजली की व्यवस्था चौपट होने के बाद स्थानीय विधायक और सांसद भी आम जनता की इस गंभीर समस्या को समाधान करने के लिए अधिकारियों की नकेल नहीं टाइट कर सके हैं।

सीएचसी कड़ा का चौथी बार कायाकल्प अवार्ड योजना का हुआ मूल्यांकन

अखंड भारत संदेश

टेढ़ी मोड़ कौशाम्बी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कड़ा का चौथी बार कायाकल्प अवार्ड योजना का मूल्यांकन राज्य स्तरीय टीम द्वारा दिनांक 22 सितंबर को किया गया जानकारी के अनुसार कायाकल्प अवार्ड योजना के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कड़ा का पियर एसेसमेंट चेक लिस्ट के माध्यम से हॉस्पिटल अपकीप, सैनिटेशन , वेस्ट मैनेजमेंट , हॉस्पिटल बियांड बाउंड्री इनफेक्शन कंट्रोल और हाइजीन प्रमोशन जैसे मानकों में जांच की गई जिसमें साक्षात्कार लेते हुए गुणवत्ता का मूल्यांकन डॉ अतुल श्रीवास्तव प्रभारी चिकित्सा अधिकारी तेलियानी एवं डॉ हफीज जिला सलाहकार फतेहपुर द्वारा किया गया उन्होंने कहा कि रिपोर्ट भेज कर अग्रिम कार्रवाई हेतु प्रेषित किया जाएगा यदि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कड़ा का मूल्यांकन 70% से अधिक पाया जाएगा तो एक्सटर्नल एसेसमेंट टीम द्वारा फिर से अंतिम मूल्यांकन किया जाएगा एक्सटर्नल एसेसमेंट राज्य स्तरीय तीन सदस्यों की टीम द्वारा कराया जाएगा जनपद में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कड़ा लगातार जनमानस की सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाता रहा है और भविष्य में जल्दी ही एन.यू. ए.एस योजना में अपनी सफलता दर्ज कराएगा सीएचसी कड़ा को पूर्व में तीन बार कायाकल्प अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है और सभी अधिकारी कर्मचारियों को उम्मीद है कि पिछली बार से अधिक अंको से कायाकल्प अवार्ड प्राप्त होगा अधीक्षक डॉ नीरज सिंह और उनकी टीम लगातार कड़ी मेहनत करते हुए प्रयास रत है । निरीक्षण टीम द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कड़ा को एन.क्यू .ए.एस चेक लिस्ट के लिए सहयोगात्मक दिशा निर्देश दिए गए निरीक्षण के दौरान डॉ हसनैन जिला सलाहकार, डॉ वंदना सिंह ,डॉ अग्रवाल, प्रभाकर सिंह ,प्रदीप सिंह, रूपरानी ,प्रेमा देवी, वीरेंद्र सिंह, प्रशांत त्रिपाठी शिव सिंह, वंदना मिश्रा, रीता यादव, विमला देवी ,रेनू यादव पुष्पेंद्र सिंह, आर के पांडे, श्रीपाल युवराज सिंह ,सुशील सिंह, शुभम कुमार ,कमरुन निशा,सूरज कुमार, लाल चंद ,संतोष कुमार आदि लोग मौजूद थे।

चिकित्सक को सम्मानित करते प्रभारी चिकित्सा अधिकारी

ताला तोड़कर घर के भीतर से चोर उठा ले गए बाइक

कल्यानपुर कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के टेडीमोड पुलिस चौकी के अंतर्गत कल्यानपुर बाजार में लगातार चोरियों की घटनाओं के खुलासे में पुलिस हाफ रही है पूर्व की घटनाओं का खुलासा पुलिस नहीं कर पाती कि नई घटनाओं को अंजाम देकर अपराधी बेखौफ फरार हो जाते हैं इस इलाके में आधा दर्जन हत्याओं की घटना का खुलासा पुलिस नहीं कर सकी है चोरी की कई घटनाओं का खुलासा भी पुलिस नहीं कर सकी है बीती रात चोरों ने फिर एक घर का ताला तोड़ दिया है और घर के भीतर खड़ी बाइक को चोर उठा ले गए हैं। मामले की सूचना बाइक मालिक के परिजनों को सुबह हुई है मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई है। जानकारी के मुताबिक भरवारी के रहने वाले विनोद कुमार पुत्र रामप्रसाद कल्यानपुर बाजार में रहते हैं बीती रात घर के भीतर बाइक खड़ी कर लोहे के दरवाजे में ताला लगा कर वह कहीं चले गए थे सुबह उनके घर के दरवाजे का कुंडा और ताला टूटा था घर के अंदर खड़ी बाइक गायब थी।

बारिश : मकान गिरने से दब गया गृहस्थी का सामान

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। बीते 4 दिन पूर्व लगातार बारिश होने से तमाम लोगों के घर गिर गए हैं लेकिन घर गिरने के बाद कई दिन बीत जाने के बाद भी राजस्व निरीक्षक मामले की जांच कर मुआवजा देने की फल नहीं शुरू कर सके हैं 14 सितंबर से लगातार दो दिन की बारिश के चलते चारों ओर तबाही का मंजर मचा हुआ था गांव कस्बे में जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से गलियों सड़कों में पानी भर जाने से बरसात का पानी लोगों के घरों में घुस गया जिससे लोगों के घर गिर रहे हैं मंझनपुर तहसील क्षेत्र के खुर्रम पुर बजहा कटरा गांव निवासी दीपक कुमार पुत्र मेंदी लाल के घर में बरसात का पानी घुस जाने से उनके घर की अचानक दीवारें गिर गई हैं देखते-देखते दीपक कुमार का मकान खंडहर में तब्दील हो गया दीपक कुमार का मकान गिर जाने से उनके घर में रक्खा गृहस्थी उपयोग का सामान मकान के मलबे में दब गया है दीवाल गिरते वक्त परिजनों ने घर से बाहर भाग कर जान बचाई है मामले की सूचना राजस्व विभाग को दी गई है लेकिन घटना को 4 दिन बीत जाने के बाद राजस्व विभाग की टीम ने मौका मुआयना कर मुआवजा दिलाने का प्रयास नहीं किया है।

बारिश में गिरे घर का दृश्य

बारिश ने छीना गरीब का आशियाना

नहीं है सर ढकने के लिए छत

कौशाम्बी। चायल तहसील के नेवादा विकास खण्ड के तरनी गांव में दर्जनों मकान बारिश की वजह से जमींदोज हो गए हैं जिसमें से विधवा जयंती देवी का भी आशियाना गिर गया है जयंती देवी के पास रहने के लिए कोई छत नहीं है टूटे-फूटे मकान में किसी तरह वह गुजर बसर कर रही थी तभी तेज बारिश का प्रकोप गरीब के आशियाने में आ धमका जिससे गरीब को वेघर होना पड़ा गया।

घर गिरने के बाद गरीब महिला की नहीं हो रही सुनवाई

नगर पंचायत और डूडा के धांधली के चलते प्रधानमंत्री आवास से वंचित हो रहे हैं योजना के पात्र

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। चायल तहसील क्षेत्र के सराय अकिल नगर पंचायत के खरका मोहल्ला के दक्खिनी बाग निवासी दलित आरती देवी पासी पत्नी राजेश कुमार का घर बारिश के चलते 4 दिन पूर्व गिर गया है महिला बेहद गरीब परिवार से हैं कई बार उसने नगर पंचायत सराय अकिल प्रशासन से आवास दिए जाने की मांग की लेकिन नगर पंचायत प्रशासन ने गरीब महिला का आवास स्वीकृत नहीं किया जिससे महिला टूटे-फूटे झोपड़ी नुमा घर में जीवन गुजार रही थी चार दिन पहले तेज बारिश के चलते महिला के घर की दीवारें गिर गई है जिससे महिला का झोपड़ी टूटा फूटा घर खंडहर में तब्दील हो गया है महिला के पास रहने को अब मकान नहीं बचा है मकान गिर जाने से महिला के जीविकोपार्जन का साधन भी उसमें दबकर नष्ट हो गया है बर्तन कपड़ा विस्तर अनाज आदि भी अब उसके पास जीविकोपार्जन के लिए नहीं बचा है लंबे चौड़े भाषण देने वाले सत्ता पक्ष और विपक्ष के भी नेता भी गरीब महिला का हाल लेने नहीं पहुंच सके हैं तहसील प्रशासन ने भी गरीब महिला के आवास का निरीक्षण करा कर प्राकृतिक आपदा मुआवजा दिलाए जाने का प्रयास नहीं किया है वहीं नगरीय विकास अभिकरण डूडा और नगर पंचायत सराय अकिल के जिम्मेदारों पर आरोप है कि यहां आवासीय योजना में जमकर अवैध वसूली होती है जिसने भी नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी और नगरीय अभिकरण डूडा के जिम्मेदारों की डिमांड पूरी कर दी उसका आवास स्वीकृत हो जाता है लेकिन जो इन अधिकारियों को घूसखोरी की रकम नहीं दे सका वह गरीब आवास योजना के लाभ के लिए दौड़ते रह जाते हैं नगर पंचायत में आवास योजना में धांधली और अवैध वसूली का आलम यह है कि तमाम आपात्रों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जा चुका है आवास योजना में धांधली के चलते गरीब महिला आरती योजना का लाभ पाने से वंचित रह गई है आखिर आवास योजना का लाभ गरीब महिला को न मिल पाने के मामले में यदि उच्च स्तरीय जांच हुई तो नगर पंचायत सराय अकिल और डूडा के जिम्मेदारों पर गाज गिरना तय है।

गिरे घर का दृश्य

सम्पादकीय

नर्सों की भी सोचिए

अपने यहां तस्वीर तब और चिंताजनक हो जाती है, जब इसमें क्वॉलिटी का फैक्टर जोड़ दिया जाता है। क्वॉलिफिकेशन का ख्याल रखते हुए देखा जाए तो यह अनुपात 1:1. 3 बैठता है यानी 1.3 डॉक्टरों पर एक नर्स। डॉक्टर से भी कम नर्स। बहरहाल, औसत अनुपात के ये आंकड़े भी जमीनी हकीकत का ठोस अंदाजा नहीं देते। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) और पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई) की ओर से जारी की गई हालिया स्टडी रिपोर्ट देश में डॉक्टरों और नर्सों तथा सहायक स्वास्थ्यकर्मियों के बीच कम अनुपात का जायजा लेते हुए बताती है कि कोरोना महामारी की चुनौतियों से जूझना इस कमजोर स्वास्थ्य ढांचे के लिए कितना मुश्किल रहा होगा। भारत में नर्सों और डॉक्टरों का अनुपात 1.7:1 है यानी हर एक डॉक्टर पर 1.7 नर्स। यह अनुपात कितना कम है, इसका अंदाजा इस तथ्य से मिलता है कि ओईसीडी (ऑर्गनाइजेशन फॉर इकॉनमिक को-ऑपरेशन एंड डिवेलपमेंट) देशों का औसत अनुपात 4:1 है यानी हर एक डॉक्टर पर चार नर्स। अपने यहां तस्वीर तब और चिंताजनक हो जाती है, जब इसमें क्वॉलिटी का फैक्टर जोड़ दिया जाता है। क्वॉलिफिकेशन का ख्याल रखते हुए देखा जाए तो यह अनुपात 1:1. 3 बैठता है यानी 1.3 डॉक्टरों पर एक नर्स। डॉक्टर से भी कम नर्स। बहरहाल, औसत अनुपात के ये आंकड़े भी जमीनी हकीकत का ठोस अंदाजा नहीं देते।

अलग-अलग राज्यों में एकदम अलग-अलग स्थिति है। कुछ राज्यों में डॉक्टर ज्यादा हैं तो कुछ अन्य राज्यों में नर्सों की संख्या अधिक है। उदाहरण के लिए, एक तरफ पंजाब और दिल्ली जैसे राज्य हैं जहां नर्सों और डॉक्टरों का अनुपात क्रमशः 6.4 और एक एवं 4.5 और एक का है तो दूसरी तरफ बिहार और मध्य प्रदेश जैसे राज्य हैं जहां प्रति डॉक्टर एक नर्स का भी अनुपात नहीं बैठता।

केरल में सबसे ज्यादा नर्सें हैं। लेकिन वहां भी हॉस्पिटलों और स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति बेहतर नहीं है। इसका पता तब चलता है जब वर्कर नर्सों की संख्या देखी जाए। वर्कर नर्सों और डॉक्टरों का अनुपात वहां भी एक और एक का ही है। वर्कर नर्सों से मतलब उन नर्सों से है, जो पंजीकृत होने के साथ-साथ सक्रिय भी हों। दिलचस्प तथ्य यह है कि कई राज्य जो डॉक्टर और नर्स अनुपात के आंकड़ों के लिहाज से काफी अच्छी स्थिति में नजर आते हैं, स्वास्थ्य सेवाओं की क्वॉलिटी के मामले में उतना अच्छा मानक नहीं दर्शा पाते। उदाहरण के लिए दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य। यहां डॉक्टर और नर्सों का अनुपात अगर अच्छा नजर आता है तो उसकी वजह नर्सों की पर्याप्त संख्या नहीं बल्कि डॉक्टरों की कम संख्या है। इन राज्यों में प्रति दस हजार आबादी पर एक डॉक्टर हैं। नर्सों का हाल भी खास अच्छा नहीं है। देश में प्रति 670 लोगों पर एक नर्स का अनुपात बैठता है जबकि डब्ल्यूएचओ का मानदंड प्रति 300 लोगों पर एक नर्स का है। इस संदर्भ में देखें तो स्वास्थ्य ढांचे में सुधार के लिहाज से अपने देश में चर्चा हमेशा डॉक्टरों की कमी की ही होती है। उस कमी को पूरा करना भी जरूरी है, लेकिन समझना होगा कि नर्सों और सहायक स्वास्थ्यकर्मियों का अनुपात ठीक किए बिना स्वास्थ्य सेवाओं का ऊंचा स्तर सुनिश्चित करना मुमकिन नहीं है।

राजनीति में सिद्धू का क्रिकेट वाला अंदाज

विमल कुमार

टीम इंडिया के पूर्व ओपनर नवजोत सिंह सिद्धू आज मंजे हुए राजनेता हैं। कभी वह बेहद शांत और विनम्र खिलाड़ी हुआ करते थे। सच पूछिए तो सिद्धू शायद हमेशा से दोहरी शख्सियत वाले इंसान रहे हैं। जब मैंने पत्रकारिता में कदम रखा, तब तक सिद्धू रिटायर हो चुके थे। पीछे अपने किस्से छोड़कर, जिन्हें मैं उनके साथी खिलाड़ियों से सुनता आया हूं। उनकी चर्चा बाद में करेंगे। सबसे पहले वह किस्सा सुनाता हूं, जिसका मैं गवाह रहा हूं। साल 2004 की बात रही होगी। मैं तब देश के नंबर वन टीवी चैनल में काम करता था। अचानक एक दिन वहां शाम को रहस्यमय अंदाज में सिद्धू की एंट्री हुई। मेरे खेल संपादक ही नहीं, चैनल संपादक भी सिद्धू के साथ मीटिंग में थे। थोड़ी देर में तय हो गया कि अगले महीने से वह हमारे न्यूज चैनल के साथ क्रिकेट जानकार के तौर पर जुड़ जाएंगे। इस करार से सब खुश थे क्योंकि हमारा संस्थान विरोधी चैनल के खेमे से क्रिकेट का एक बड़ा चेहरा अपनी तरफ खींचने में कामयाब हो गया था। लेकिन उस रात सिद्धू ने करार पर दस्तखत नहीं किए। वजह बताई कि गुरुवार है, जो उनके लिए शुभ दिन नहीं है। अगले दिन वह साइन की हुई करार की कॉपी हमारे दफ्तर भेज देंगे। दफ्तर में सिद्धू के आने की खबर अभी टॉप अधिकारियों तक भी नहीं पहुंची थी कि हमारे संपादक के पास विरोधी चैनल के एक बहुत सीनियर अधिकारी का फोन आया। उन्होंने हंसते हुए बताया, 'क्या सर, आपको लगता है कि सिद्धू को आप इतनी आसानी से सिर्फ बढ़ी हुई फीस देकर हमारे खेमे से निकाल ले जाएंगे उनके साथ हमने कई साल बिताए हैं। हम जानते हैं कि उनसे यू-टर्न कैसे कराना है और वह हम करा चुके हैं।'

सिद्धू ने हमारे न्यूज चैनल के साथ हुई डील का दस्तावेज विरोधी चैनल के मालिक को दिखा दिया था। उन्होंने वहां अपनी फीस बढ़वा ली, यह दलील देकर कि अगर आप मुझे इतने पैसे नहीं देंगे तो मैं दूसरे खेमे में चला जाऊंगा। मजबूरी में उस चैनल के मालिक ने पुराने रिश्तों और सिद्धू की साख का खयाल रखते हुए उनकी बात मान ली। सिद्धू उस दिन अपना निजी फायदा तो कर गए, लेकिन दोनों ही संस्थानों के बड़े अधिकारियों के सामने अपना कद छोटा कर गए। मुहावरों के इस्तेमाल के चलते सिद्धू ने कॉमेंट्री का एक अनोखा व्याकरण गढ़ा और बेहद कामयाब हुए। सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री जैसे लोग भी हैरान थे कि आखिर 'शेरी' ने कुछ सालों में अपने अंदर ऐसा चमत्कारी बदलाव कैसे कर लिया। यही बात राहुल द्रविड़ ने श्रीलंका के एक दौरे पर हम पत्रकारों के साथ साझा की थी, जब उन्हें पता चला कि पूर्व ओपनर अब एक न्यूज चैनल के साथ जुड़ गए हैं। द्रविड़ का कहना था कि एक जमाने में सिद्धू विदेश दौरे पर उनके रूम पार्टनर हुआ करते थे और पूरे दौरे में वह बमुश्किल 30 वाक्य भी नहीं बोलते थे। जब अचानक एक दिन 30 मिनट के कार्यक्रम में द्रविड़ ने उन्हें बेधड़क, बिना रुके 60 से ज्यादा वाक्य बोलते देखा तो उनके लिए यकीन करना मुश्किल हो रहा था कि ये वही सिद्धू हैं। क्रिकेट कमेंट्री में सिद्धू को मुंहमांगी कीमत मिल रही थी, लेकिन धीरे-धीरे उनके काम की शैली को लेकर शिकायतें बढ़ने लगीं। फिर सिद्धू ने इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी और साथी कॉमेंटेटर एलन विल्किंस के साथ ऑन एअर बदतमीजी की। यह 2003 वर्ल्ड कप के बाद की घटना थी। सिद्धू पहले से ही सौरव गांगुली और सचिन तेंदुलकर जैसे खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप के दौरान नाराज कर चुके थे। पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के बाद सिद्धू ने तीखे कॉमेंट्स किए थे। माना जाता है कि इन घटनाओं के चलते ही सिद्धू का करार उस टीवी चैनल के साथ हमेशा के लिए खत्म हो गया। हालंकि इस बात की पुष्टि न तो सिद्धू ने की, न विल्किंस ने और न ही चैनल ने।

सिद्धू के बारे में एक और बात क्रिकेट सर्कल में मशहूर है कि वह ओपनर तो शानदार थे, लेकिन कई बार टीम को उस वक्त मझधार में छोड़ देते थे, जब उनकी सबसे ज्यादा जरूरत होती थी। 1987 वर्ल्ड कप में सिद्धू ने वापसी की थी, लेकिन जब कुछ ही महीने बाद वेस्टइंडीज की आक्रामक तेज गेंदबाजी के खिलाफ टीम इंडिया को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी तो रहस्यमय अंदाज में चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए। 1992 में साउथ अफ्रीका के मुश्किल दौरे से ठीक पहले भी ऐसा ही हुआ। 1996 में इंग्लैंड दौरे के बीच में से ही वापस लौटने का किस्सा तो सबको पता ही है। इस दौरान कई ऐसे मैच और सीरीज आए, जहां विरोधी टीम के पास कोई खूंखार तेज गेंदबाज होता तो सिद्धू गायब हो जाते थे।चलते-चलते एक और बात आप लोगों को बता दूं। किस्सा यूं है कि एक बार पंजाब की कप्तानी करते हुए सिद्धू टॉस के लिए गए। टॉस जीतने के बाद उन्होंने पिच पर हरी घास देखते हुए पहले गेंदबाजी करने का फैसला कर लिया, जबकि टीम मीटिंग में तय हुआ था कि पहले बल्लेबाजी करनी है क्योंकि पिच पर आखिर के दो दिन स्पिन गेंदबाजों को जबरदस्त मदद मिलेगी। यही नहीं, सिद्धू जब ड्रेसिंग रूम में पहुंचे तो वहां यह दलील दे डाली कि टॉस विरोधी टीम ने जीता। लेकिन, इसका भांडा मैच के दौरान दूसरे दिन फूट गया, जब विरोधी टीम के खिलाड़ी ने कहा कि इस पिच पर तुम्हारे कप्तान ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला सिर्फ खुद को तेज गेंदबाजों से बचाने के लिए किया। क्रिकेट के दिनों के ये किस्से शायद यह बताने के लिए काफी हों कि सिद्धू भले ही अब फुलटाइम नेता बन गए हों, लेकिन उनकी शख्सियत का एक बड़ा हिस्सा अब भी वैसा ही दिखता है, जैसा क्रिकेटर के तौर पर दिखता था।

चेहरा बदलने के फॉर्म्युले में कितना दम

नरेंद्र नाथ

पिछले कुछ दिनों से राजनीति में बदलाव का मौसम दिख रहा है। मुख्यमंत्री बदले जा रहे हैं। अलग-अलग राज्यों में सरकार और संगठन के स्तर पर परिवर्तन की आहट दिख रही है। खासकर उन राज्यों में बदलाव अधिक दिख रहे हैं, जहां अगले एक साल के अंदर चुनाव होने हैं। बीजेपी पिछले पांच महीने में अपने चार सीएम बदल चुकी है। असम में चुनाव जीतने के बाद सर्बानंद सोनोवाल की जगह हिमंता बिस्व सरमा को सीएम बनाया, लेकिन उत्तराखंड, कर्नाटक और गुजरात में तो बीच टर्म में ही मुख्यमंत्री बदल दिए गए। उत्तराखंड में चार महीने के अंदर दो-दो मुख्यमंत्री बदले गए। कांग्रेस ने भी पंजाब में सीएम बदला। इसके अलावा कुछ और राज्यों में बदलाव की आहट है। पार्टी संगठन के स्तर पर भी बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। इन सभी बदलावों के पीछे दोनों राष्ट्रीय दलों की मूल मंशा है एंटी इनकंबेंसी फैक्टर को काउंटर करना और संगठन के अंदर नई ऊर्जा भरना ताकि राज्यों के विधानसभा चुनावों और 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले वे तरोताजा दिख सकें। लेकिन सबसे बड़ा सवाल इन दोनों पार्टियों के संदर्भ में यही पूछा जा रहा है कि क्या चेहरे भर बदल जाने से वे मकसद पूरे हो जाएंगे, जिनकी आस में इस तरह के बदलाव किए जा रहे हैं बीजेपी की बात करें तो एंटी इनकंबेंसी से निपटने का यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुराना, आजमाया हुआ फॉर्म्युला रहा है। 2001 से 2014 तक उन्होंने इसका सफल उपयोग गुजरात में किया और उसके बाद अपने सफल प्रयोग को दिल्ली आकर पूरे देश में सफलतापूर्वक लागू कर रहे हैं। गुजरात में नरेंद्र मोदी की शैली थी कि वह विधानसभा चुनाव में बड़ी संख्या में मौजूदा विधायकों का टिकट काट देते थे। सरकार में भी नियमित अंतराल पर बड़ा बदलाव करते थे। इससे वह लोकल एमएलए के खिलाफ या सरकार के खिलाफ उपजे एंटी इनकंबेंसी को पूरी तरह काउंटर कर देते थे। अभी जुलाई में केंद्र में अपनी सरकार के सात साल पूरे होने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने 43 नए मंत्रियों को टीम में शामिल कर अपने इसी आजमाए हुए तरीके से अब तक का सबसे बड़ा बदलाव किया था। हाल के समय का यह सबसे बड़ा फेरबदल था। यह फेरबदल तब हुआ, जब तमाम ओपिनियन पोल में यह बात सामने आई कि सरकार की लोकप्रियता भले बनी हुई है, लेकिन अब लोगों में कई मुद्दों पर बेचैनी और असंतोष भी बढ़ा है। अगर उन्हें दूर करने की कोशिश अभी नहीं की गई तो आने वाले समय में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इसी तरह गुजरात में यह अनोखा और संभवतः देश में पहला प्रयोग हुआ कि चुनाव से एक साल पहले सीएम सहित पूरे मंत्रिमंडल को बदल डाला गया। कर्नाटक में येदियुरप्पा को हटाना हो या उत्तराखंड में रावत को, इसमें भी यही मंशा सामने आई। 2019 आम चुनाव से पहले खुद पार्टी की इंटरनल रिपोर्ट के अनुसार, लोकल सरकार या सांसदों की एंटी इनकंबेंसी से निपटना सबसे बड़ी चुनौती था। तब बीजेपी ने तीस फीसदी से अधिक मौजूदा सांसदों के टिकट काटे थे। यह प्रयोग भी सफल रहा। दिल्ली में म्यूनिसिपल चुनाव में बीजेपी के प्रति एंटी इनकंबेंसी की बात सामने आई तो आला नेतृत्व की सलाह पर ही सभी पार्षदों का टिकट काट दिया गया था। इसका नतीजा यह हुआ कि विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने के बावजूद आम आदमी पार्टी एमसीडी पर कब्जा नहीं कर सकी। वहां बीजेपी ने अपनी सत्ता बरकरार रखी।

अब पंजाब चुनाव से चंद महीने पहले कांग्रेस ने भी यही प्रयोग किया है। लेकिन इसके पीछे वजह सिर्फ एंटी इनकंबेंसी को काउंटर करना नहीं था। गुटबाजी भी एक कारण था। पार्टी को लगा कि चुनाव से पहले सरकार का चेहरा बदलने से उसको लाभ मिलेगा। लेकिन क्या यह तरीका हमेशा काम आएगा पिछले कुछ समय से इसके मिश्रित संकेत दिखे हैं। जानकारों के अनुसार, हमेशा यह कारगर नहीं होता। इसी साल मार्च में कांग्रेस ने पुडुचेरी में एंटी इनकंबेंसी का काउंटर करने के लिए तत्कालीन सीएम नारायणसामी का ही टिकट काट दिया था, लेकिन इसका लाभ पार्टी को नहीं मिला। अगर शीर्ष नेतृत्व के प्रति लोगों में विश्वास हो और उसकी लोकप्रियता अधिक हो तो निचले स्तर पर ऐसे बदलाव का पॉजिटिव संदेश जाता है और यह कारगर होता है। लेकिन अगर लोगों की शिकायत समग्र तौर पर पूरे दल से हो तब इस तरह के बदलावों से भी सियासी तस्वीर पूरी तरह नहीं बदलती है। कांग्रेस और बीजेपी दोनों को इसका अंदाजा है। वे जानते हैं कि ऐसे कदमों के साइड इफेक्ट भी होते हैं। चुनाव से पहले इस तरह के कदम उठाने से पार्टी के अंदर गुटबाजी बढ़ती है। असंतोष भी बढ़ सकता है, जिसकी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। यही कारण है कि इस तरह का फैसला लेने से पहले काफी होमवर्क करना होता है।

कैप्टन जैसे कमाऊ पूत को वनवास देकर कांग्रेस ने बड़ी गलती कर दी है

राकेश सैन

पंजाब की राजनीति शुरू से ही कांग्रेस और अकाली दल के बीच दो ध्रुवीय रही है। कहने को यहां भाजपा, बसपा, आम आदमी पार्टी व कई स्थानीय दल हैं परन्तु इनका अस्तित्व या तो गठजोड़ पर निर्भर है या कई दल अभी संघर्षरत हैं। ठेठ ग्रामीण कहावत है- पेट वाले की आस में गोद वाले का त्याग, याने जो बच्चा अभी पेट में पड़ा ही है उसकी आशा में गोद वाले बच्चे को त्यागना स्यानप नहीं। परन्तु पंजाब कांग्रेस ने तो पेट वाले चन्नी की आशा में गोद वाले को तो क्या, कैप्टन जैसे कमाऊ पूत को ही वनवास दे दिया है। नासमझ पांव पर कुल्हाड़ी मारते हैं परन्तु कांग्रेस ने तो गोली मारी है। कैप्टन जैसे कुशल व सशक्त नेतृत्व के चलते 2022 के विधानसभा चुनावों के लिए पंजाब कांग्रेस जहां बढ़त में दिख रही थी, वह आज अन्य दलों के समकक्ष कमजोर नेतृत्व से सुसज्जित दिखाई देने लगी है। पंजाब में चुनावों के लिए ताल ठोक रहे अकाली दल बादल के पास सुखबीर सिंह बादल के बावजूद कैप्टन के समक्ष कोई नेता नहीं था और आम आदमी पार्टी के पास भी अमरिन्दर सरीखे चेहरे का अभाव था। रही बात भाजपा की, तो वह तो अभी ताजा-ताजा ही अकालियों की गर्भनाल से अलग हुई है, सो उसके पास तो कद्दावर नेता होने की अभी अपेक्षा भी बेमानी है। कैप्टन को दरकिनार कर कांग्रेस ने अपनी राजनीतिक हराकीरी का ईमानदार व गम्भीर प्रयास किया है।

पंजाब की राजनीति शुरू से ही कांग्रेस और अकाली दल के बीच दो ध्रुवीय रही है। कहने को यहां भाजपा, बसपा, आम आदमी पार्टी व कई स्थानीय दल हैं परन्तु इनका अस्तित्व या तो गठजोड़ पर निर्भर है या कई दल अभी संघर्षरत हैं। 1997 के विधानसभा चुनावों के बाद से कांग्रेस में राजिन्द्र कौर भट्ठल युग के अवसान के बाद एक ध्रुव पर अकाली दल के नेता प्रकाश सिंह बादल और दूसरी छोर पर कैप्टन अमरिन्दर सिंह स्थापित हो गए। पिछले दो-अढ़ाई दशकों से प्रदेश की राजनीति दो दलों की बजाय इन दोनों नेताओं के इर्द-गिर्द सिमटती अधिक नजर आने लगी। अकाली दल से आने के बावजूद कैप्टन ने अपनी आक्रामक शैली से ऐसी छवि बनाई कि वे प्रकाश सिंह बादल का विकल्प बने और 2002 में कांग्रेस की सरकार गठित करने में सफल रहे। इसके बाद 2007 और 2012 में प्रकाश सिंह बादल और 2017 में फिर से कैप्टन सत्ता में आए। लेकिन इस दौरान प्रकाश सिंह बादल के वयोवृद्ध हो जाने के कारण प्रदेश की राजनीति का दूसरा ध्रुव लुप्त हो गया। चाहे बड़े बादल ने अपने पुत्र सुखबीर सिंह बादल को स्थापित करने के लिए साम, दाम, दण्ड, भेद सहित हर तरह की नीति का पालन किया परन्तु कैप्टन के समक्ष अभी तक सुखबीर एक संघर्षरत नेता के रूप में ही नजर आ रहे थे।

इस दो ध्रुवीय राजनीति को तोड़ना इतना मुश्किल था कि 2017 के विधानसभा चुनावों में दिल्ली की सनसनी बन कर उभरी आम आदमी पार्टी के नेता अरविन्द केजरीवाल हर तरह के छल-बल और लटकों-झटकों का प्रयोग करने के बाद भी पंजाब की राजनीतिक सीढ़ियों से फिसल कर औंधे मुंह गिरे। अन्ना हजारे की चेला बिरादरी 'केजरीवाल-केजरीवाल सारा पंजाब तेरे नाल' नारे लगाते दिल्ली से आई और 'केजरीवाल-केजरीवाल एह की होया तेरे नाल' की आह भरते हुए देश की राजधानी वापिस लौट गई। पूर्व मुख्यमन्त्री अमरिन्दर सिंह के नेतृत्व वाली साढ़े चार साल पुरानी सरकार पर चाहे चुनावी वायदे न निभाने के आरोप लगने लगे थे और विपक्ष कांग्रेस सरकार को घेरने लगा था, परन्तु इसके बावजूद भी समूचे विपक्ष के पास कैप्टन के समकक्ष कद्दावर नेता नहीं था। इस बात को यूं भी कहा जा सकता है कि पंजाब में कैप्टन की कुछ-कुछ स्थिति केन्द्र की राजनीति के नरेन्द्र मोदी जैसी बन गई थी। प्रदेश की राजनीति पूरी तरह एक ध्रुवीय चली आ रही थी जो कांग्रेस के लिए अत्यन्त लाभकारी थी, परन्तु जिस पार्टी ने एड़ी उठा कर फन्दा गले में डाल लिया हो उसकी सांसों के बारे में क्या कहा जा सकता है

कांग्रेस नेतृत्व को गौर करना चाहिए था कि कैप्टन में नेतृत्व का गुण अनुवांशिकी है, पूर्वजों से मिला है। उनकी आक्रामक शैली पंजाब की प्रकृति से मेल खाती है जिसके चलते लोग उन पर विश्वास करते थे। जाट समुदाय से आने के बावजूद सर्व समाज का उन पर विश्वास था। उनकी लोकप्रियता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि संघ परिवार और भाजपा का काडर भी उन्हें पसन्द करता रहा है। पंजाब में उनका राजनीतिक अस्तित्व पार्टी के खास परिवार या केन्द्रीय नेतृत्व पर निर्भर नहीं था, यही कारण रहा कि 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी 'चाहूंदा है पंजाब-कैप्टन दी सरकार' के नारे के चलते दो तिहाई बहुमत से सत्ता में लौटा था। राष्ट्रीय मुद्दों पर अपने केन्द्रीय नेतृत्व के इतर बेबाकी से राय रखने वाले कैप्टन ने अपने इन्हीं गुणों के चलते पूरे देश में विशिष्ट पहचान बनाई थी। वे कांग्रेसी नेताओं की तरह कभी भेड़चाल में शामिल नहीं हुए और यही गुण शायद उनकी कमजोरी बन गया, क्योंकि पार्टी का खास कुनबा अपनी वंशबेल बड़ी रखने के लिए खुद के ही कद्दावर नेताओं के राजनीतिक घुटने छांगने में अधिक विश्वास करता है।पंजाब कांग्रेस के नेतृत्व परिवर्तन घटनाक्रम ने प्रदेश की राजनीति में जातीयता की दरारों को और गहरा दिया, साथ में मजेदार बात है कि इसे कांग्रेस का मास्टर स्ट्रोक भी कहा जा रहा है। चरणजीत सिंह चन्नी को पहला दलित मुख्यमन्त्री बता कर प्रदेश के 32 प्रतिशत इस वर्ग के मतदाताओं को साधने का दावा किया गया है परन्तु विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू को चेहरा बताया जा रहा है जो जाट सिख हैं। अगर ऐसा होता है तो दलितों का कांग्रेस से नाराज होना तय है क्योंकि चन्नी के रूप में खड़ाऊं मुख्यमन्त्री सीधा-सीधा उनका अपमान होगा। सिद्धू को अपनी शर्तों पर फैसले करवाने की आदत है, चुनावों में उन्हें पार्टी आलाकमान नाराज नहीं कर पाएगा। पार्टी यदि सिद्धू के चेहरे को मुख्यमन्त्री के रूप में आगे करती है तो न सिर्फ दलित समुदाय की नाराजगी मोल लेनी होगी, बल्कि एक दलित मुख्यमन्त्री को गैर दलित चेहरे से 'दलित विरोधी' छवि का भी सामना करना होगा। चाहे पंजाब के ग्रामीण समाज में जातीयता की जड़ें गहराई तक समाई हुई हैं परन्तु चुनावों में जाति कोई बड़ा मुद्दा नहीं बनती। कभी सुनने में नहीं आया कि यहां के लोगों ने जातीय आधार पर उच्च स्तर पर मतदान किया हो। अगर ऐसा होता तो बहुजन समाज पार्टी जो कभी पंजाब में बड़ी तेजी से उभरी थी आज रसातल में नहीं पहुंची होती। बसपा हर बार दलित चेहरे को ही मुख्यमन्त्री के रूप में पेश करती आई है परन्तु दलितों ने उसे कभी गम्भीरता से नहीं लिया। पंजाब का दलित मतदाता कांग्रेस, अकाली दल, वामदलों और न्यूनाधिक भाजपा व आम आदमी पार्टी में बिखरा हुआ है, चन्नी के चलते यकायक कांग्रेस के पक्ष में यह सभी एकमुश्त एकजुट हो जायें ये तो बहुत बड़ा चमत्कार ही होगा। फिलहाल कांग्रेस को कैप्टन के रूप में अपनी अमूल्य निधी को सम्भालने का प्रयास करने की जरूरत है, क्योंकि पेट वाला कैसा निकलता है पता नहीं परन्तु गोद वाला आजमाया हुआ है।

कोयला उत्खनन से फैल रहे प्रदूषण को रोकने की जरूरत

आलोक शुक्ला

कोयले का परिवहन करते समय पर्यावरण प्रदूषण के बचाव के लिए क्या उपाय अमल में लाए जा रहे हैं आदि। यह भी देखना चाहिए कि जिस कंपनी को राज्य के क्षेत्र में उत्पादन की जिम्मेदारी मिली है, कंपनी ने वहां स्थानीय निवासियों व उनके आर्थिक व सामाजिक उत्थान के लिए क्या प्रयास किए इन प्रयासों का परिणाम क्या निकला है और नहीं कर पाए तो इसके लिए जिम्मेदारी भी सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। केन्द्र व राज्य सरकारों को कोयला खानों के कारण हो रहे प्रदूषण व नुकसान को रोकने के लिए सख्त निर्देश देने चाहिए। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था और औद्योगिक प्रगति में खनिज संपदा का महत्वपूर्ण योगदान होता है। क्षेत्र में उपलब्ध खनिजों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों तथा आवागमन की सुविधानुसार वहां कारखानों की स्थापना की जाती है। संयंत्रों को लगने वाले कच्चे माल और खनिज संपदा का पर्यावरण का संरक्षण करते हुए दोहन किया जाना चाहिए। देश की आर्थिक स्थिति की मजबूती के साथ ही पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना जरूरी है। नियम-कानूनों को ताक पर रखते हुए प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक असंतुलन पैदा करता है और अराजकता को जन्म देता है। औद्योगिक क्रांति में कोयले का अभूतपूर्व योगदान है। बिजली उत्पादन, कल कारखानों, स्टील उद्योग, ईंट भट्ठे या अन्य महत्वपूर्ण उद्योगों में कोयले का उपयोग होता है। विश्व में सबसे अधिक कोयला भंडार की उपलब्धता वाले देशों की सूची में भारत का पांचवा स्थान है। कोयले की उपयोगिता व महत्व के कारण हाल ही में केंद्र सरकार ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत कोयला क्षेत्रों में सुधारों की घोषणा की है जिसके अंतर्गत व्यवसायिक खनन को मंजूरी देने वाली नीतियों पर जोर दिया गया है और कोयले से गैस के निर्माण पर सरकार द्वारा आर्थिक सहयोग की बात कही गई है। इस योजना के तहत 50 नए ब्लॉक शीघ्र उपलब्ध कराए जाने के लिए कहा गया है।

भारत में प्रति वर्ष 150-200 मिलियन टन कोयले का आयात किया जाता है अर्थात आवश्यकता के अनुपात में कोयले का उत्पादन देश में कम हो रहा है। कोल इंडिया लिमिटेड विश्व की सबसे बड़ी कोयला खनन कंपनी है लेकिन 2019 में भारत में विदेशों से 235 मिलियन टन कोयले का आयात किया गया था। सरकार ने कोयले के आयात में कमी लाने और स्थानीय उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के साथ 50000 करोड़ रुपए की लागत से कोयला क्षेत्र में आधारभूत संरचना के विकास का लक्ष्य रखा है। शुरू से ही देश में कोयला खनन एक ही कंपनी के स्वामित्व में रहने के कारण कोई प्रतिस्पर्धा नहीं रही। इसका कोयला उत्पादन पर बुरा असर पड़ा है। निजी कंपनियों की भागीदारी न होने से इस क्षेत्र में होने वाला निवेश सीमित रह गया जिसका नुकसान अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। अब केंद्र सरकार ने कोयला खनन में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने और पारदर्शिता के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा पर जोर देने की योजना बनाई है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक 15.84 करोड़ टन कोयला उत्पादन दर्ज किया गया, वहीं ओडिशा 15.41 करोड़ टन के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इसके बाद क्रमशः मध्यप्रदेश (13.25 करोड़ टन) एवं झारखंड (11.92 करोड़ टन) का स्थान रहा। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड राज्यों में कोयले की प्रचुरता के कारण ही स्पंज आयरन फैक्ट्री एवं अन्य पावर प्लांट खुले हैं। हम आधुनिक भारत निर्माण पर जोर तो दे रहे हैं पर पर्याप्त संसाधनों के रहने के बाद भी दूसरे देशों पर आश्रित हैं क्योंकि देश में कोयला उत्खनन की आधुनिक तकनीकों का अभाव है। इसके अभाव में कोयला खदानों में दुर्घटनाओं की आशंकाएं भी हमेशा बनी रहती हैं। छत्तीसगढ़ समेत अन्य राज्यों में कोयला उत्खनन के लिए उपयोग में आने वाली तकनीकें और मशीनें काफी पुरानी हैं जिनका मेंटेनेंस बहुत महंगा पड़ रहा है। एक ओर सरकारी कंपनी बेतहाशा खर्चे, पुरानी तकनीक और भ्रष्टाचार के कारण दिन प्रतिदिन घाटे का सौदा होती जा रही हैं, वहीं छत्तीसगढ़ में सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड में कुछ निजी माइनिंग कंपनियां कोयला उत्खनन कर रही हैं। यहां पर्यावरण असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हो गई है और प्रदूषण भी बढ़ गया है।

यहां जंगलों को उजाड़ दिया गया है। आसपास दर्जनों गांवों के प्रभावित लोग आक्रोशित हैं। वे शिकायतें भी कर रहे हैं लेकिन प्रशासन मौन है। मध्यप्रदेश के शहडोल, अनूपपुर ,कोतमा, छत्तीसगढ़ के दीपिका, गेवरा, भटगांव बैकुंठपुर, चिरमिरी में सरकारी कोल माइन्स कंपनियां हैं। इन इलाकों का विकास किए जाने के दावे तो किए जाते रहे किंतु हकीकत यह है कि यहां जंगल खत्म हो रहे हैं, नदियों का पानी प्रदूषित हो चुका है और कोयले की डस्ट से प्रदूषण फैला है। खेती की जमीनें बर्बाद हुई हैं और क्षेत्रों के लोगों का स्वास्थ्य भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। छत्तीसगढ़ के चिरमिरी में दक्षिण-पूर्व कोल फील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) कोयले का उत्खनन पिछले कई दशकों से करती आ रही है। यहां हजारों लोग मौत के मुहाने पर बैठे हुए हैं। कालोनियों के कई घरों में ब्लास्ट के कारण दरारें पड़ चुकी हैं, गैस का रिसाव हो रहा है, समस्या के निदान के नाम पर खोखले दावों और वादों के अलावा कुछ भी नहीं है। विदेशों में खदान से जब कोयला निकाल लिया जाता है तब नीचे की खोखली जमीन में रेत या कुछ चीजें भरी जाती हैं जिससे वहां खोखलापन न हो परंतु भारत में ऐसा नहीं होता है। न ही इसका कोई विकल्प है क्योंकि यह काफी महंगा भी है और उन्नत तकनीकों के द्वारा ही होता है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर नंदिनी की खाली पड़ी माइंस पर पर्यावरण संरक्षण के लिए मानव निर्मित वन का प्रोजेक्ट तैयार किया गया। यहां 83 हजार से अधिक पौधे लगाये गए हैं। मुख्यमंत्री ने यहां 100 एकड़ में औषधीय पौधे तथा फलोद्यान विकसित करने के भी निर्देश दिए हैं। यह प्रोजेक्ट देश-दुनिया के सामने उदाहरण है कि किस तरह से अनुपयोगी माइन्स एरिया को प्राकृतिक आवास में बदला जा सकता है। पूरे प्रोजेक्ट को इस तरह से विकसित किया गया है कि यह पक्षियों के लिए भी आदर्श रहवास बनेगा तथा पक्षियों के पार्क के रूप में विकसित होगा। यहां पर एक बहुत बड़ा वेटलैंड है जहां पर पहले ही विसलिंग डक्स, ओपन बिल स्टार्क जैसे पक्षी देखे गए हैं। यह कहा जाता है कि एसईसीएल, डब्ल्यूसीएल जैसी सरकारी कंपनियां पूरी तरह से कोल माफिया के इशारों पर खेल रही हैं।

आज के ही दिन 14 साल पहले धोनी ने शास्त्री को किया था गलत साबित

ऑस्ट्रेलिया को मात दे टी20 वर्ल्ड कप 2007 के फाइनल में पहुंचा था भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2007 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की एकदम युवा टीम गई थी और इस टीम की कमान थी महेंद्र सिंह धोनी के हाथ में। धोनी की कप्तानी में भारत का यह पहला आईसीसी टूर्नामेंट था। टीम इंडिया ने 22 सितंबर 2007 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मैच खेला था और जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बना ली थी।

इस मैच से जुड़ा एक खास किस्सा है, जब धोनी ने उस समय कमेंटेटर रहे रवि शास्त्री को गलत साबित कर दिया था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जब भारत जीता और मैच प्रेजेंटेशन के समय रवि शास्त्री जब दोनों टीमों के कप्तानों से सवाल-जवाब कर रहे थे, तब धोनी ने उनको एक मजेदार बात कही थी। जब विनिंग कप्तान को बुलाया गया, तब धोनी ने जाते ही कहा था, इससे पहले कि मैं शुरू करूं, मुझे कहना है कि मैंने क्रिकइंफो में एक आर्टिकल पढ़ा था, जिसमें आप ने कहा था कि इस मैच में ऑस्ट्रेलिया फेवरेट है, आज मुझे लगता है कि मैंने और मेरे लड़कों ने आपको गलत साबित कर दिया। क्रिकइंफो ने ट्विटर पर यह किस्सा शेयर किया है, जिस पर टीम इंडिया के मौजूदा हेड कोच रवि शास्त्री ने भी जवाब दिया है। शास्त्री ने मजेदार अंदाज में लिखा, क्रिकइंफो पर पढ़ी हुई हर चीज पर विश्वास नहीं किया करें। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 188 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 173 रन ही बना सकी थी और भारत ने 15 रनों से जीत दर्ज की थी। युवराज सिंह ने उस मैच में 30 गेंद पर 70 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली थी, जबकि एस श्रीसंत ने चार ओवर में महज 12 रन देकर दो विकेट लिए थे। धोनी ने उस मैच में 18 गेंद पर 36 रन ठोके थे।

कोरोना के शिकार हुए टी नटराजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार को उस समय सभी फैन्स की सांसें अटक गईं, जब सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज टी नटराजन के कोरोना पॉजिटिव होने की खबर सामने आई। उनके कोविड-19 पॉजिटिव होने के साथ ही हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के बीच आज होने वाले आईपीएल मैच पर संकट की स्थिति बन गई थी, लेकिन बीसीसीआई ने यह साफ कर दिया है कि यह मैच तय शेड्यूल के हिसाब से ही होगा। यह मैच दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना था। नटराजन को कोरोना होने से पूरी हैदराबाद टीम पर काफी असर पड़ेगा।

ऐसा इसलिए है कि क्योंकि नटराजन टीम के प्रमुख तेज गेंदबाजों में से एक हैं, जो अपने यॉर्कर गेंदों के लिए जाने जाते हैं। कई बार ऐसा हुआ है, जब उन्होंने अकेले दम पर टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। उनका कोरोना पॉजिटिव होना हैदराबाद के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है, क्योंकि टीम पहले ही प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए जूझ रही है। टीम इस समय प्वॉइंट टेबल में सबसे फिसड्डी टीम बनी हुई है और उसके सात मैचों में मात्र दो प्वॉइंट्स हैं। उसे प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अपने सभी लीग मैचों में जीत दर्ज करनी पड़ेगी। नटराजन के चोटिल होने के कारण हैदराबाद आईपीएल 2021 के पहले फेज में उनकी सेवाएं नहीं ले पाई थी। तीस साल के नटराजन ने आईपीएल में अब तक 24 मैच खेलकर 20 विकेट चटकाए हैं। यूएई में हुए पिछले आईपीएल सीजन में नटराजन की बॉलिंग का ही कमाल था, जिसकी वजह से टीम तीसरे नंबर पर रही थी। आईपीएल के बाद नटराजन को उनकी शानदार गेंदबाजी का इनाम मिला और उनका चयन भारतीय टीम में हुआ। नटराजन के अलावा जिन अन्य सदस्यों को आइसोलेट किया गया है, उनमें हैदराबाद के स्टार ऑलराउंडर विजय शंकर भी हैं क्योंकि वे नटराजन के क्लोज कॉन्टैक्ट में आए थे। इसके अलावा विजय कुमार (टीम मैनेजर), श्याम सुंदर (फीजियो), अंजना वन्नन (डॉक्टर), तुषार खेड़कर (लॉजिस्टिक मैनेजर) और नेट बॉलर पेरियासामी गणेशन शामिल हैं।

नटराजन के कोरोना पॉजिटिव होने के बाद माइकल वॉन ने बीसीसीआई पर कसा तंज, देखते हैं अब क्या मैनचेस्टर टेस्ट की तरह आईपीएल भी कैंसल होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज टी नटराजन को कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया है, लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने साफ कर दिया है कि आज शाम को दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होने वाले मैच पर इसका असर नहीं पड़ेगा। टी नटराजन के जैसे ही कोरोना पॉजिटिव होने की खबर आई, इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल वॉन ने ट्विटर के जरिए बीसीसीआई पर निशाना भी साध डाला है। वॉन ने चुटकी लेते हुए ट्वीट किया कि देखते हैं क्या अब आईपीएल भी लास्ट टेस्ट जैसे कैंसल होगा या नहीं। आईपीएल से ठीक पहले भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड दौरे पर थी, जहां दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही थी। पांचवां टेस्ट मैच मैनचेस्टर में खेला जाना था, लेकिन उससे पहले टीम के जूनियर फीजियो कोविड-19 टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए और इसका हवाला देते हुए पांचवें टेस्ट को कैंसल कर दिया गया था। वॉन ने तब भी बीसीसीआई पर निशाना साधते हुए कहा था कि यह सबकुछ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को देखते हुए किया गया है। वॉन ने नटराजन के कोविड-19 टेस्ट में पॉजिटिव होने के बाद ट्विटर पर लिखा, देखते हैं क्या आईपीएल कैंसल होता है, जैसे आखिरी टेस्ट होग गया था! मैं इसकी गारंटी देता हूं कि ऐसा नहीं होगा।

वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर मार्लोन सैमुअल्स पर चली आईसीसी की कैंची, 14 दिन में देना होगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की ओर से इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर मार्लोन सैमुअल्स पर भ्रष्टाचार रोधी संहिता के चार नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। यह मामला इंग्लैंड में हाल ही में खत्म हुई टी-10 लीग से जुड़ा है। सैमुअल्स को इन आरोपों का जवाब देने के लिए 14 दिन का समय दिया गया है। उनका यह समय 21 सितंबर से शुरू होगा। क्रिकबज के मुताबिक, सैमुएल्स को आर्टिकल 2.4.2 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है, जिसमें एंटी करप्शन आधिकारी को ऐसे किसी काम के एवज में गिफ्ट, पैसे, सुविधा आदि फायदों की जानकारी न देना शामिल है, जिससे खेल की बदनामी हो। इसके अलावा उन्हें आर्टिकल 2.4.3 के उल्लंघन का भी दोषी पाया गया है, जिसमें ऐसी किसी मेजबानी की जानकारी न देना शामिल है, जिसकी कीमत 750 अमेरिकी डॉलर से ज्यादा हो। इसके अलावा वे आर्टिकल 2.4.6 और 2.4.7 के उल्लंघन के भी दोषी पाए गए हैं, जिसमें क्रमशः एंटी करप्शन अधिकारी की जांच में सहयोग न करना और एंटी करप्शन अधिकारी की जांच के लिए ऐसी जानकारी को कैंसल करना शामिल है, जो जांच के लिए बेहद जरूरी हो। बता दें कि सैमुअल्स ने वेस्टइंडीज के लिए 71 टेस्ट, 207 वनडे और 67 टी-20 मैच खेले हैं।

न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बाद क्या अब ऑस्ट्रेलिया भी पाकिस्तान का अपना दौरा रद्द करेगा सीए ने दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट को इन दिनों एक के बाद एक झटके लग रहे हैं। पाकिस्तान में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर इंटरनेशनल क्रिकेट टीमों में इतना भय का माहौल है कि वे उस देश में क्रिकेट खेलने से साफ इनकार कर रहे हैं। सबसे पहले न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान में पहुंचकर सुरक्षा कारणों के डर से अंतिम समय पर खेलने से इनकार कर दिया। न्यूजीलैंड के दौरा रद्द करने के कुछ दिन बाद ही इंग्लैंड ने भी पाकिस्तान का दौरा रद्द कर दिया। इंग्लैंड की पुरुष और महिला टीम को अगले महीने अक्टूबर में पाकिस्तान दौरे पर लिमिटेड ओवरों की सीरीज खेलनी थी। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बाद अब ऑस्ट्रेलिया भी पाकिस्तान के अपने दौरे को लेकर अगर मगर की स्थिति में फंसा हुआ है।

हालांकि ऑस्ट्रेलिया को अगले साल की शुरुआत में पाकिस्तान का दौरा करना है, लेकिन न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बाद उसने भी पाकिस्तान दौरे पर पूनर्विचार करना शुरू कर दिया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि वो अगले साल पाकिस्तान दौरे की स्थिति पर नजर रख रहा है। ऑस्ट्रेलिया की टीम को अगले साल फरवरी-मार्च में पाकिस्तान दौरे पर पूर्ण सीरीज खेलनी है। ऑस्ट्रेलिया अगर पाकिस्तान का यह दौरा करने में सफल रहता है तो, 1998 के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम का यह पहला पाकिस्तान पहला दौरा होगा। जिओ न्यूज के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के नवनियुक्त चेयरमैन रमीज राजा को भी डर सता रहा था कि ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के नक्शेकदम पर चल सकता है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रवक्ता ने कहा कि वह स्थिति पर नजर रख रहे हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के कोल हिचकॉक ने एक ईमेल का जवाब देते हुए कहा, हम स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और अधिक जानकारी मिलने पर संबंधित अधिकारियों से बात कर रहे हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट को पिछले सप्ताह उस समय तगड़ा झटका लगा था जब न्यूजीलैंड ने रावलपिंडी में पहले वनडे के दौरान टॉस से कुछ मिनट पहले सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए दौरा रद्द करने की घोषणा की थी। न्यूजीलैंड ने पीसीबी से किसी धमकी मिलने की जानकारी साझा किए बिना यह फैसला किया था। न्यूजीलैंड के दौरा रद्द करने के बाद इंग्लैंड ने पाकिस्तान आने से इंकार कर दिया।

चेन्नई सुपर किंग्स के इस स्पिनर ने फेंक दी इतनी तेज गेंद कि किसी को नहीं हुआ यकीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में आईपीएल 2021 के प्वॉइंट टेबल पर राज कर रही चेन्नई सुपर किंग्स को अब अगला मैच विराट कोहली की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ खेलना है। टीम ने आईपीएल 2021 के दूसरे फेज में शानदार शुरुआत करते हुए पांच बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस को 20 रनों से हरा दिया। टीम अपनी यह शानदार फॉर्म आरसीबी के खिलाफ भी कायम रखना चाहेगी। चेन्नई के सभी खिलाड़ी बुधवार को नेट प्रैक्टिस करने उतरे, जहां एक अनोखा नजारा देखने को मिला। टीम के ट्विटर अकाउंट से इस वाकये का एक वीडियो भी शेयर किया गया है। दरअसल, चेन्नई की तरफ से खेलने वाले न्यूजीलैंड के स्टार गेंदबाज मिशेल सेंटनर नेट पर बॉलिंग कर रहे थे। आप यहां यह सोच रहे होंगे कि भला इसमें क्या नई चीज है तो आपको बता दें कि सैंटनर एक लेफ्ट आर्म स्पिन गेंदबाज हैं, लेकिन वे नेट पर तेज बॉलिंग फेंक रहे थे। उनकी स्पीड को चेक करने के लिए सीएसके के सभी खिलाड़ी वहां मौजूद थे। सैंटनर ने पहली तेज गेंद फेंकी, जिसकी स्पीड 111 किमी प्रति घंटा थी। उन्होंने इसके बाद अगली गेंद फेंकी, जिसको देखकर अंबाती रायुडू और ऋतुराज गायकवाड़ भी चौंक गए। यहां सैंटनर ने 126 किमी प्रति घंटे की स्पीड से गेंद फेंकी। उनकी इतनी स्पीड देखकर चेन्नई के कई फैन्स ने यहां तक कह दिया कि उन्हें स्पिनर छोड़कर एक तेज गेंदबाज ही बन जाना चाहिए। सैंटनर को मुंबई इंडियंस के खिलाफ टीम के पिछले मैच में प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला था। उनकी जगह टीम ने स्पिनर के तौर पर मोईन अली और रविंद्र जडेजा को मौका दिया था। हालांकि दोनों ही खिलाड़ी प्रभावित करने में सफल नहीं हो सके थे। मोईन ने जहां 3 ओवर में 16 रन दिए, वहीं जडेजा ने एक ही ओवर में 13 रन लुटाए और दोनों को ही एक भी विकेट नहीं मिल सका था।

परिषदीय विद्यालयों के खाते पूर्ववत बैंक शाखाओं में संचालन की मांग

उत्तर प्रदेशीय जू0हाईस्कूल शिक्षक संघ जिला इकाई ने बीएसए को सौंपा पत्रक

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। उत्तर प्रदेशीय जू0हाईस्कूल शिक्षक संघ जिला इकाई के पदाधिकारियों ने प्रदेश उपाध्यक्ष मानिक चंद्र यादव के नेतृत्व में बुधवार को एक हस्ताक्षर युक्त पत्रक राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा के नाम जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को सौंपा गया। दिये गये पत्रक में कहा गया है कि परियोजना निदेशक कार्यालय द्वारा जारी आदेश एवं मध्यान्ह भोजन प्राधिकरण के आदेश के क्रम में विद्यालय प्रबंध समिति के बैंक खाते व मध्यान्ह भोजन योजना के खाते भारतीय स्टेट बैंक की शाखाओं में खोलने को कहा गया है। इस क्रम में अवगत कराना है कि जनपद के 90 प्रतिशत से अधिक विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है, जबकि जनपद में भारतीय स्टेश बैंक की जो भी शाखाएं है वह शहरों में है। जोकि अन्य समस्त राष्ट्रीय कृत बैंक शाखाओं की तुलना में बहुत कम है। साथ ही अधिकतर परिषदीय विद्यालयों से भारतीय स्टेट बैंक शाखाओं की दूरी काफी अधिक है। ऐसी परिस्थिति में उक्त बैंक की शाखाओं से विद्यालय के खाता संचालन में काफी समय और परिश्रम तथा धन व्यय करना पड़ सकता है। वहीं सूच्य है कि विद्यालय समय में शिक्षण कार्य के अतिरिक्त अन्य कार्य हेतु निषेध आदेश जारी किया गया है। शीतकाल में विद्यालय बंद होने का समय अपरान्ह 3:30 बजे निर्धारित है। ऐसे में बैंक समय में विद्यालय समय के पश्चात पहुंचना कठिन है। मांग किया कि परिषदीय विद्यालयें के खाते पूर्ववत बैंक की शाखाओं से संचालन का आदेश जारी किया जाय। पत्रक देने वालों में अखिलेश कुमार, राजनारायण पाल, विमलकांत, मनोज कुमार, तेजबहादुर पाल, अरविंद सिंह, सुरेंद्र प्रकाश मौर्य आदि शामिल रहे।

बीईओ भदोही लालजी ने दिव्यांगों में बांटी सुगम वर्कशीट

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। जिले में कक्षा एक, दो व तीन में पढ़ने वाले दिव्यांग बच्चों के लिए राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराये गये सुगम वर्कसीट का वितरण जारी है। जिसके क्रम में बुधवार को खंड शिक्षा अधिकारी भदोही लालजी गौड़ ने प्राथमिक विद्यालय चकभूईधर में कक्षा तीन के मानसिक मंदित छात्र को गणित की वर्कसीट दी। इस दौरान स्पेशल एजुकेटर्स एमआर विजय कुमार मौर्य एवं फिजियोथेरेपिस्ट जय प्रकाश सिंह ने प्रधानाध्यापिका/नोडल शिक्षक निशा देवी को सुगम वर्कसीट के बारे में विस्तार से बताया। इसी तरह जिले के सुरियावां विकास खंड में स्पेशल एजुकेटर्स श्याम बहादुर यादव, राणा गोविंद व राजेश गुप्ता, औराई में रजनीश पांडेय, अभिषेख पाठक, सुनील कुमार, मनोज कुमार, सुशील उपाध्याय, डीघ में संवर्त मिश्रा, राजेश पांडेय, देवराज मिश्र, राम प्रवेश पांडेय, अभोली में रामसजीवन, ज्ञानपुर में सत्येंद्र कुमार द्विवेदी, संदीप वर्मा, मीरा प्रजापति, भदोही में विवेक पाठक, सरिता मिश्रा, मनोज सिंह तथा नगर क्षेत्र भदोही में शक्तिमान उपाध्याय द्वारा दिव्यांग बच्चों को सुगम वर्कसीट उपलब्ध कराया जा रहा है। गौरतलब हो कि कक्षा एक, दो व तीन में पढ़ने वाले दिव्यांग बच्चों को चित्रों वाली इस सुगम वर्कशीट के जरिए हिंदी और गणित का ज्ञान कराया जाएगा।

अबूझ हाल में अधेड़ की मौत

गोपीगंज। थाना क्षेत्र के बेरासपुर गांव में अधेड़ मजदूर की अबूझ हाल में मौत हो गई। उसकी मौत को लेकर लोग तरह तरह की चर्चा कर रहे है। बेरासपुर निवासी राजकुमार निषाद (43) कई वर्ष से प्लास्टिक की झोपड़ी बनाकर पेड़ के नीचे रहता था। वह इधर उधर घूमकर लोगों का कुछ काम कर देता था। बारिश, जाड़ा और गर्मी में भी राजकुमार यूं ही पेड़ के नीचे रह कर जीवन व्यतीत कर रहा था। बुधवार की सुबह उसी पेड़ के नीचे राजकुमार मृत अवस्था में पाया गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना राजकुमार के परिजनों को दी। राजकुमार के पास से लगभग चार हजार रुपया पाया गया।

वादों के निपटारे एवं जन जागरूकता हेतु बैठक 29 सितम्बर को

भदोही। स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष आरएन पांडेय ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि जनपद भदोही में जन उपयोगी सेवाओं से संबंधित विवादों के निपटारे हेतु स्थायी लोक अदालत का गठन किया गया है, जो कि जनपद न्यायालय भदोही के परिसर (सरपतहा)में स्थित एडीआर बिल्डिंग के भूतल पर कार्यरत है। बताया कि इसके संबंध में समस्त खंड विकास अधिकारियों की एक बैठक मेरे विश्राम कक्ष में 29 सितंबर 2021 को समय 1:30 आयोजित की गई है। जिसमें जिले के समस्त खंड विकास अधिकारियों को उक्त बैठक में प्रतिभाग करने हेतु निर्देशित किया गया। ताकि जनउपयोगी सेवाओं के संबंध में व्यापक जानकारी प्रदान किया जा सके और इसके लिए गठित स्थायी लोक अदालत के द्वारा अधिक से अधिक वादों का निपटारा शीघ्र हो सके।

बच्चों के शैक्षिक स्तर को जानने के लिए बीईओ ने ली क्लास

विद्यालयों को प्रेरक बनाने के लिए खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा लगातार स्कूलों का किया जा रहा है निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। खंड शिक्षा अधिकारी ज्ञानपुर रवींद्र शुक्ल द्वारा विद्यालयों में शिक्षकों की समय से उपस्थिति एवं विद्यालयों को प्रेरक बनाने के लिए लगातार औचक निरीक्षण किया जा रहा है। जिसके क्रम में बुधवार को श्री शुक्ल ने क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय कलीपुर, कंपाजिट विद्यालय रमईपुर तथा कंपोजिट विद्यालय चितईपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रधानाध्यापक को विद्यालय को प्रेरक बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस दौरान वे स्वयं बच्चों का क्लास लेकर उनकी शैक्षिक स्थिति का अवलोकन भी किया। बुधवार को खंड शिक्षा अधिकारी रवींद्र शुक्ल सुबह 8:10 पर कंपोजिट विद्यालय कलीपुर में पहुंचे। जहां पर उपस्थित 170 बच्चे प्रार्थना के बाद पीटी करते हुए पाये गये। वहीं विद्यालय का पूरा स्टाफ उपस्थित मिला। इसके बाद श्री शुक्ल कंपोजिट विद्यालय रमईपुर पहुंचे। जहां पर बच्चों का शिक्षण कार्य जारी था और समस्त अध्यापक व रसोईयां उपस्थित मिली। इस दौरान श्री शुक्ल द्वारा कक्षा जाकर बच्चों का स्वयं क्लास लेकर बच्चों से प्रश्न भी किया। जिसका बच्चों ने सही जबाव दिया। इसके पश्चात बीईओ कंपोजिट विद्यालय चितईपुर पहुंचे। यहां पर सभी शिक्षक जहां शैक्षणिक कार्य करते हुए पाये गये। वहीं रसोईयों द्वारा कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए एमडीएम बनाया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी विद्यालयों को प्रेरक विद्यालय बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया।

महाराष्ट्र के राजस्व, ग्राम्य विकास मंत्री ने समाजसेवी को दी श्रद्धांजलि

कोइरौना। डीघ ब्लाक के रइयापुर निवासी प्रमुख उद्योगपति एवं समाजसेवी पं. ताड़केश्वर नाथ मिश्र उर्फ मनोगी सेठ 88 वर्ष के निधन पर महाराष्ट्र के राजस्व, ग्राम्य विकास, पोर्ट सहित पांच विभाग के मंत्री शिवसेना नेता अब्दुल सत्तार ने प्रोटोकॉल से आधा घंटा विलम्ब देर शाम आठ बजे रइयापुर पहुंचकर समाजसेवी को अपने एवं महाराष्ट्र सरकार के तरफ से श्रद्धांजलि दी तथा शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी। मौके पर उपस्थित तकरीबन एक दर्जन से अधिक ग्राम प्रधानों से संवाद कर यूपी और महाराष्ट्र के ग्रामीणांचलों में चल रहे सरकारी योजनाओं की जानकारी साझा की तथा प्रधानों के समस्या को जाना। मंत्री श्री सत्तार ने दिल्ली के केजरीवाल सरकार की प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था एवं स्वास्थ्य व्यवस्था की सराहना की। वहीं यूपी के योगी सरकार के कामकाज को भी सराहा तथा यूपी के चिकित्सा व्यवस्था को और मजबूत करने की बात कही। ग्रामीणों एवं ग्राम प्रधानों से दो घंटे से अधिक समय तक बातचीत करने के दौरान महाराष्ट्र सरकार के कामकाज को सबसे उत्तम कहा। रात 10 बजे श्री सत्तार भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यहां से वाराणसी के लिए रवाना हुए और जाते जाते दो महीने बाद पुनः आने की बात कही। मौके पर श्री लालमणि मिश्र, शिवमणि मिश्र, डा.दिनेश, अरविन्द मिश्र, डा.कार्तिकेय, श्यामधर मिश्र, विनोद मिश्र प्रधान, देवी प्रसाद यादव प्रधान, पीके मिश्र, जयप्रकाश चौधरी, मोके यादव सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

सेनेटरी वेडिग भस्मक मशीन की हुई स्थापना

ज्ञानपुर। सरकार द्वारा चलाये गये सेनेटरी अभियान के अंतर्गत जिला पंचायत बालिका इंटर कालेज में सेनेटरी पैड वेडिग भस्मक मशीन की स्थापना की गई। जिसका उद्घाटन कार्यक्रम की संयोजिका व भाजपा जिला मंत्री मनीषा अंबष्ट व कार्यक्रम की सह संयोजिका सुषमा मालवीय ने किया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं तथा उपस्थित स्टाफ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब नारी को सम्मान मिलेगा तभी राष्ट्र का नाम होगा। कहा कि स्वच्छत भारत में मासिक धर्म एक बड़ी समस्या है। जिसके तहत हमारी जन संख्या का लगभग 30 प्रतिशत भाग प्रभावित होता है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बढ़ेगी रार! अब पुलिस ने सिंहदेव के करीबी पार्टी के सचिव पर दर्ज किया केस

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के बीच खींचतान अब किसी से छिपी नहीं है। अब यहां पुलिस ने राज्य कांग्रेस सचिव पंकज सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया है। पंकज सिंह के बारे में कहा जा रहा है कि वो स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के काफी करीबी हैं। पंकज सिंह पर बिलासपुर के एक अस्पताल में एक स्वास्थ्य कर्मी के साथ मारपीट करने और गाली-गलौज करने का आरोप है।

बिलासपुर के विधायक शैलेश पाडे पहले ही पंकज सिंह पर एफआईआर दर्ज करने का विरोध कर चुके हैं। उन्होंने सवाल उठाया था कि क्या स्वास्थ्य मंत्री का करीबी होने की वजह से उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। अब इस एफआईआर के बाद इस बात की आशंका काफी बढ़ गई है कि सीएम भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव के बीच मौजूदा खींचतान और बढ़ जाएगी। दरअसल ढाई साल के सीएम के फॉर्मूले को लेकर भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव के बीच दूरियां बढ़ी थीं। टीएस सिंहदेव के समर्थक सीएम बदले जाने की मांग पर अड़ गए थे। जिसके बाद दिल्ली में आलाकमान के साथ इस मुद्दे पर सीएम की बैठक भी हुई थी। जिसके बाद यह कहा गया था कि राहुल गांधी छत्तीसगढ़ दौरे पर जल्द आएंगे और वो खासकर बस्तर में चल रहे विकास कार्यों को देखेंगे। दिल्ली से लौटने के बाद सिंहदेव ने कहा था कि उनकी भी शीर्ष नेताओं से बातचीत हुई है और उन्होंने अभी सीएम बदलने पर फैसला अपने पास सुरक्षित रख लिया है। दिसंबर 2018 में कांग्रेस पार्टी ने छत्तीसगढ़ की 90 विधानसभा सीटों में से 68 पर जीत हासिल की थी। इसके बाद ऐसा कहा जा रहा था कि बघेल और सिंहदेव के बीच पावर-शेयरिंग समझौते के तहत छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने सरकार बनाई थी।

पंकज सिंह पर दर्ज किये गये

स्वास्थ्य कर्मी से मारपीट का मामला

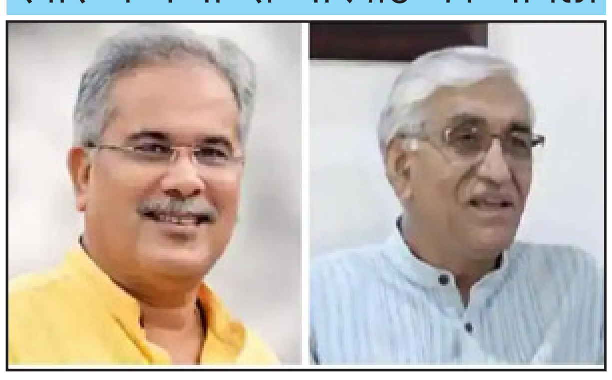

मुकदमे को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि यह घटना 18 सितंबर की है। पंकज सिंह राज्य सरकार द्वारा संचालित छत्तीसगढ़ इंस्टिच्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (सीआईएमएस), बिलासपुर के दौरे पर पहुंचे थे। अस्पताल में भर्ती एक मरीज का फोन आने पर वो इस अस्पताल में आए थे। बिलासपुर के पुलिस अधीक्षक दीपक झा ने कहा, '18 सितंबर को हुई इस घटना का बारे में हमें 19 सितंबर को इस बारे में शिकायत मिली थी। सीआईएमएस में एक मरीज रेडियोलॉजी कराने के लिए आए थे। लेकिन किसी कारणवश मशीन काम नहीं कर रहा था। तकनीकी खराबी की वजह से हो रही देरी के कारण मरीज ने पंकज सिंह को फोन कर बुलाया। जिसके बाद वो अस्पताल पहुंचे। पंकज सिंह रेडियोलॉजी में हो रही देरी की वजह से झल्ला गए और उन्होंने रेडियोग्राफर तुला टंडे से मारपीट की और उन्हें गालियां दी। अगले दिन टंडे थाने पहुंचे और उन्होंने अपनी शिकायत दर्ज करवाई।' पुलिस का कहना है कि उन्होंने इस मामले में जांच की है और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाला है। जिसके बाद सोमवार को केस दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि पंकज सिंह पर भारतीय दंड संहिता की धारा 186 (सरकारी काम में बाधा पहुंचाने), धारा 353 (ऑन ड्यूटी सरकारी कर्मचारी पर हमला करने)के अलावा अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में शुरुआती जांच हो चुकी है और आगे की जांच के बाद पंकज सिंह की गिरफ्तारी की जाएगी। बहरहाल, मंगलवार को कांग्रेस विधायक शैलेश पांडे अपने समर्थकों के साथ पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। उन्होंने दावा किया कि सिंहदेव से नजदीकी की वजह से पंकज सिंह को टारगेट किया जा रहा है। शैलेश पांडे ने कहा, 'पुलिस यह बता पाने में असमर्थ है कि उसने पंकज पर केस क्यों दर्ज किया। पुलिस का कहना है कि वरिष्ठ अधिकारियों से निर्देश मिलने के बाद केस दर्ज किया गया है। मैं पूछना चाहता हूं पुलिस से कि क्या वो हमलोगों के खिलाफ भी केस दर्ज करेगी क्योंकि हम सिंहदेव के करीबी हैं। पिछले साल गरीबी की मदद करने पर पुलिस ने मेरे खिलाफ भी केस दर्ज किया था और अब पंकज को निशाना बनाया जा रहा है। सवालों के जवाब मिलना चाहिए।' इधर इस पूरे मामले में राज्य कांग्रेस कम्यूनिकेशन प्रमुख शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा कि इस मामले में राजनीति नहीं होनी चाहिए क्योंकि यह कानून तोड़ने का मामला है। उन्होंने कहा कि, 'हम एक ऐसे राज्य में रह रहे हैं जहां सीएम के पिता पर भी केस दर्ज हुआ था क्योंकि उन्होंने एक समुदाय के खिलाफ बयान दिया था। कानून को अपना काम करने देना चाहिए।'

रांची में ताबड़तोड़ फायरिंग कर बीजेपी नेता की हत्या, होटल में चाय पीते समय वारदात

रांची (एजेंसी)। झारखंड की राजधानी रांची में बुधवार की शाम दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया गया। यहां के एक होटल में भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई।ताबड़तोड़ फायरिंग में एक अन्य व्यक्ति को भी गोली लगी है। वह भी भाजपा से ही जुड़ा बताया जा रहा है। सनसनीखेज वारदात की खबर मिलते ही पुलिस प्रशासन में खलबली मच गई। स्थानीय पुलिस के साथ ही आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। सीसीटीवी की पड़ताल के साथ ही नाकेबंदी कर चेकिंग शुरू करा दी गई। वारदात के पीछे आपसी रंजिश की बात सामने आ रही है। ओरमांझी में बीजेपी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष जीतराम मुंडा चुटूपालू में आर्यन लाइन होटल में किसी साथी के साथ चाय पी रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार अपराधी वहां पहुंचे और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। कई गोलियां लगने से जीतराम मुंडा जमीन पर गिर पड़े। उनके बगल में मौजूद एक व्यक्ति को भी गोली लगी। इससे पहले कि कोई कुछ कर पाता हवा में फायरिंग करते हुए बदमाश फरार हो गए।

आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने जीतराम मुंडा को जनता हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस आपसी रंजिश में हत्या की आशंका जता रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जीतराम का मनोज मुंडा नाम के व्यक्ति से रंजिश थी। इसी रंजिश में हत्या की बात आ रही है। फिलहाल पुलिस शव को कब्जे में लेकर छानबीन कर रही है।

वसूली कांडः कम नहीं हो रहीं परमबीर सिंह की मुश्किलें, आयोग ने फिर किया तलब; 6 अक्टूबर को पेश होने को कहा

मुंबई (एजेंसी)। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे मुंबई पुलिस के पूर्व मुखिया परमबीर सिंह की मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। महाराष्ट्र सरकार द्वारा गठित चांदीवाल न्यायिक आयोग ने बुधवार को मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह को नया समन जारी किया और उन्हें छह अक्टूबर तक पैनल के सामने पेश होने को कहा। इस महीने की शुरुआत में आयोग ने परमबीर सिंह के खिलाफ 100 करोड़ रुपये के कथित भ्रष्टाचार के मामले में जमानती वारंट जारी किया था। पैनल के वकील ने समाचार एजेंसी एएनआई के हवाले से कहा कि पिछले कुछ महीनों में परमबीर सिंह को कई समन जारी हुए हैं। मगर परमबीर सिंह अब तक पैनल के सामने पेश नहीं हुए हैं। बता दें कि सिंह ने राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था, जिसकी जांच के लिए महाराष्ट्र सरकार ने आयोग का गठन किया है।

वसूली कांड में परमबीर सिंह ने दावा किया था कि अनिल देशमुख ने मुंबई के निलंबित पुलिस अधिकारी सचिन वाझे को हर महीने 100 करोड़ इकट्ठा करने के लिए कहा था। बता दें कि जमानती वारंट जारी करने से पहले आयोग ने पेश नहीं होने पर परमबीर सिंह पर तीन बार जुर्माना लगाया था। आयोग ने जून में 5,000 रुपये और पिछले महीने दो बार 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया था। आयोग ने परमबीर सिंह के खिलाफ 50 हज़ार रुपए का जमानती वारंट जारी किया।

पिछले सप्ताह बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह द्वारा दायर उस याचिका को सुनवाई के योग्य नहीं माना था, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र सरकार द्वारा उनके खिलाफ शुरू की गई दो प्राथमिक जांच को रद्द करने का अनुरोध किया है। न्यायमूर्ति एस एस शिंदे और न्यायमूर्ति एन जे जामदार की खंडपीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि सिंह द्वारा मांगी गयी राहत पर केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण फैसला ले सकता है क्योंकि यह सेवा का मामला है। बुधवार को उद्धव ठाकरे सरकार ने परमबीर सिंह के खिलाफ एक और जांच के लिए राज्य भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को अपनी मंजूरी दे दी। एसीबी पुलिस निरीक्षक अनूप डांगे की शिकायत पर सिंह के खिलाफ एक अलग जांच कर रहा है, जिसने आरोप लगाया है कि सिंह ने पिछले साल निलंबन के दौरान एक रिश्तेदार के माध्यम से उसे बहाल करने के लिए 2 करोड़ की मांग की थी।

महाराष्ट्रः राज्यसभा उपचुनाव के लिए तेज हुई सियासत, बीजेपी अध्यक्ष पाटिल बोले- राजनीति में कुछ भी हो सकता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में राज्यसभा उपचुनाव के लिए सियासत तेज हो गई है। एक तरफ कांग्रेस ने पार्टी की वरिष्ठ नेता रजनी पाटिल ने तो दूसरी ओर से बीजेपी ने संजय उपाध्याय को मैदान में उतारा है। राजीव सातव के निधन के कारण यह उपचुनाव कराया जा रहा है। राज्य भाजपा प्रमुख चंद्रकांत पाटिल से यह पूछे जाने पर कि राज्यसभा उपचुनाव के लिए संख्या उनके पक्ष में नहीं है के जवाब में उन्होंने कहा कि हमारे पास केवल 20 विधायकों की कमी है। हमारा उम्मीदवार निश्चित रूप से निर्वाचित होगा। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि संजय उपाध्याय रामभक्त के पुत्र हैं, उनके पिता ने राम मंदिर के लिए 'भूमि पूजन' किया है और राम मंदिर के लिए धन दान करने वाले पहले व्यक्ति थे।

कैप्टन राज की ब्यूरोक्रेसी से भी दिक्कत, बदलाव में जुटे चन्नी; विधायक ने कहा- 6 महीने का काम तीन महीने में है निपटाना

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह के स्थान पर नए बने सीएम चरणजीत सिंह चन्नी कैबिनेट में बड़े बदलाव करने वाले हैं। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि कैप्टन अमरिंदर सिंह के दौर के मंत्रियों को कैबिनेट से बाहर ही रखा जाएगा। यही नहीं ब्यूरोक्रेसी में भी बड़े बदलाव की तैयारी है। एक तरफ नए डीजीपी की तलाश है तो वहीं 9 आईएएस अधिकारियों का मंगलवार को तबादला कर दिया गया था। अब कांग्रेस विधायक कुलदीप सिंह वैद्य ने साफ तौर पर कहा है कि नए सीएम के दौर में कैप्टन राज के सभी अफसरों को भी बदल दिया जाएगा।

विधायक कुलदीप सिंह वैद्य ने बुधवार को कहा कि हम पुरानी ब्यूरोक्रेसी को बदल देंगे, जो कैप्टन अमरिंदर सिंह के दौर में काम कर रही थी। विधायक ने कहा कि हम 6 महीने का काम तीन महीने में ही निपटाएंगे। नए सीएम चरणजीत सिंह चन्नी चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। विधायक ने भले ही खुलकर किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका इशारा साफ था कि कैप्टन अमरिंदर सिंह के राज में काम की गति धीमी थी। लंबी उठापटक के बाद पिछले सप्ताह कैप्टन अमरिंदर सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद चरणजीत सिंह चन्नी को हाईकमान ने सीएम बनाया है और उनके साथ दो डिप्टी सीएम चुने गए हैं।इसके अलावा मंगलवार को सीएम चन्नी अपने दोनों उपमुख्यमंत्रियों और प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह के साथ दिल्ली पहुंचे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह अपनी मंत्रिपरिषद में नेताओं के चुनाव के लिए दिल्ली पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राज्य के प्रभारी हरीश रावत से मुलाकात की थी। कुछ ही दिनों में पंजाब में चरणजीत सिंह चन्नी के मंत्री परिषद के सदस्य शपथ ले सकते हैं।

तालिबान से आरएसएस की तुलना पड़ेगा महंगा जावेद अख्तर को लीगल नोटिस- माफी मांगिए, वरना...

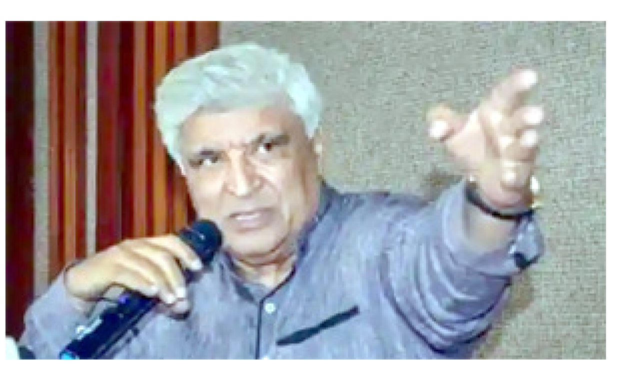

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तुलना तालिबान से करने को लेकर गीतकार जावेद अख्तर की मुश्किलें कम नहीं हुई हैं। आरएसएस के खिलाफ टिप्पणी को लेकर जावेद अख्तर को एक वकील ने लीगल नोटिस भेजा है और उन्हें माफी मांगने को कहा गया है। मुंबई के एक वकील ने बुधवार को गीतकार जावेद अख्तर को एक समाचार चैनल को दिए एक साक्षात्कार में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ कथित रूप से 'झूठी और मानहानिकारक' टिप्पणी करने के लिए कानूनी नोटिस भेजा और इस पर उनसे माफी मांगने को कहा। वकील संतोष दुबे ने यह भी कहा कि अगर जावेद अख्तर 'बिना शर्त लिखित माफी' देने और नोटिस मिलने के सात दिनों के भीतर अपने सभी बयान वापस लेने में विफल रहते हैं तो वह अख्तर से 100 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग करते हुए एक आपराधिक मामला दर्ज करेंगे। बता दें कि बीते दिनों जावेद अख्तर ने आरएसएस और वीएचपी की तुलना तालिबान से की थी। जिसके बाद भाजपा और शिवसेना ने भी हमला बोला था।

वकील के नोटिस में दावा किया गया है कि इस तरह के बयान देकर जावेद अख्तर ने भारतीय दंड संहिता की धारा 499 (मानहानि) और 500 (मानहानि की सजा) के तहत अपराध किया है। बता दें कि पिछले दिनों शिवसेना ने संघ और वीएचपी की तुलना तालिबान से करने को हिंदू संस्कृति का अपमान करार दिया है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र 'सामना' में कहा, 'आज कल कुछ लोग तालिबान की किसी से भी तुलना करने लगे हैं। तालिबान समाज और मानवता के लिए बड़ा संकट है। चीन और पाकिस्तान जैसे देश उसका समर्थन कर रहे हैं, जो लोकतांत्रिक नहीं हैं। इन देशों में मानवाधिकार के लिए कोई जगह नहीं है।'

एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में जावेद अख्तर ने कहा था, 'जैसे तालिबान इस्लामिक स्टेट बनाना चाहता है। वैसे ही यहां भी कुछ लोग हैं, जो हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं। इन लोगों की मानसिकता एक ही है। भले ये हिंदू, मुस्लिम, ईसाई या यहूदी हों। तालिबान जो कर रहा है, वह बर्बर है, लेकिन आरएसएस, वीएचपी और बजरंग दल का समर्थन करने वाले लोग भी वैसे ही हैं।

ममता सरकार की तुलना तालिबान से करने पर बीजेनी पर भड़की शिवसेना, संजय राउत बोले- कार्रवाई करे केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना नेता संजय राउत ने बुधवार को पश्चिम बंगाल भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को उनकी ठपश्चिम बंगाल में तालिबान सरकारठ टिप्पणी के लिए फटकार लगाई है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में इस तरह की भाषा का उपयोग राजनीतिक बयान के स्तर को कम करता है। न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए संजय राउत ने कहा कि बीजेपी का मानना है कि हर विपक्षी शासित राज्य में ठतालिबानी शासनठ है।उन्होंने कहा, ठजहां भाजपा की सरकार नहीं है या विपक्षी दल की सरकार है, वहां भाजपा का मानना है कि तालिबानी शासन है। तालिबानी राज का क्या अर्थ है लोकतंत्र में इस तरह की भाषा किसी को शोभा नहीं देती। ममता बनर्जी की बहुमत से चुनी हुई है। तो क्या बीजेपी पश्चिम बंगाल के लोगों को 'तालिबानियों' कह रही है अगर राजनीति में ऐसे बयान दिए जाते हैं, तो हमारी राजनीति का स्तर क्या होगा।बालुरघाट से सांसद सुकांत मजूमदार ने सोमवार को दिलीप घोष की जगह प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। अपनी नियुक्ति के कुछ दिनों बाद, उन्होंने टीएमसी की सरकार की तुलना तालिबान से की और कहा कि वह इसके खिलाफ लड़ेंगे। शिवसेना नेता ने भारत में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई राज्य सरकारों की तुलना तालिबान से करने वाले भाजपा नेताओं के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के लिए केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कगा, ठएक केंद्रीय मंत्री भी महाराष्ट्र में हमारी सरकार की तुलना तालिबान से कर रहे थे। पश्चिम बंगाल के सांसद वहां की चुनी हुई सरकार को 'तालिबानी' कह रहे हैं। केंद्र सरकार इन लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है।

रूस में अचानक रडार से गायब हुआ प्लेन, शामिल हैं चालक दल के छह सदस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस में छह लोगों को लेकर उड़ा एंटोनोव -26 प्लेन अचानक रडार से गायब हो गया है। रूस के आपातकालीन सेवा मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि प्लेन खाबरोवस्क क्षेत्र में रडार से गायब हो गया है। इमरजेंसी सेवाओं के एक सूत्र ने बताया है कि लापता विमान की तलाश के लिए एक एमआई-8 हेलिकॉप्टर को तैनात किया गया है। स्पुतनिक न्यूज ने आपातकालीन सेवाओं प्रवक्ता के हवाले से बताया कि एएन-26 विमान जिसमें चालक दल के छह सदस्य सवार थे, खाबरोवस्क के दक्षिण-पश्चिम से 38 किलोमीटर की दूरी पर था तभी रडार से अचानक गायब हो गया। विमान अपने कम्यूनिकेशन उपकरणों की जांच करने के लिए उड़ान भर रहा था।विमान के गायब होने के तुरंत बाद रूसी एयरफोर्स ने तलाशी अभियान के लिए हेलिकॉप्टर भेज दिया है, लेकिन खराब मौसम और दिन में उजाले की कमी के कारण सर्च अभियान में भी दिक्कतें आ रही है। प्रवक्ता ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना के लिए खराब मौसम को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। बता दें कि रूस में पिछले हफ्ते 16 यात्रियों को लेकर उड़ान भरने वाले एक विमान की रनवे से चार किलोमीटर दूर क्रैश लैंडिंग हुई थी। यह विमान इरकुत्स्क से कजाचेनस्कॉय जा रहा था। इमरजेंसी सेवाओं ने बताया कि लैंडिंग के कुछ देर पहले विमान में आग लगई थी। जिसकी वजह से पायलट ने चार किलोमीटर दूर एक सूनसान जगह पर विमान की आपत लैंडिंग करा दी।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

तालिबान को मान्यता दिलाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहा पाक, भारत बना हुआ है राह का बड़ा रोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तालिबान की अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एंट्री के लिए पाकिस्तान पूरा जोर लगा रहा है। पहले एससीओ में तालिबानी प्रतिनिधित्व को लाने की कोशिश की गई। बात नहीं बनी तो सार्क विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए पाकिस्तान ने तालिबानी प्रतिनिधित्व की मांग पुरजोर तरीके से उठाई। सार्क देशों ने भी पाकिस्तान की मांग को अस्वीकार कर दिया। बैठक इसी वजह से रद्द हो गई। अब यूएन में तालिबान के प्रतिनिधि को मान्यता देने की मांग के पीछे भी पाकिस्तान का ही दिमाग बताया जा रहा है। जानकारों का कहना है कि तालिबान को लेकर दुनिया की आशंकाओं के बीच पाकिस्तान की पैरोकारी उसके भी इरादों पर सवाल खड़ा कर रही है। फिलहाल भारत पुरजोर तरीके से पाकिस्तान की कवायद का विरोध कर रहा है। भारत के ठोस तर्क के आगे अभी तक पाकिस्तान की दाल गलती नहीं नजर आ रही है।

जानकारों का कहना है कि पाकिस्तान की आईएसआई पूरी तरह से तालिबानी शासन पर अपना वर्चस्व जमाने की रणनीति पर काम कर रही है। पाकिस्तान ने तालिबान को भरोसा दिया है कि वह उसकी आवाज वैश्विक स्तर पर मुखर करेगा। तालिबानी व्यवस्था में पाकिस्तान समर्थक चेहरों को ज्यादा तरजीह दिलाने के लिए भी पाकिस्तानी एजेंसी शुरू से प्रयासरत रही है।

सूत्रों ने कहा कि भारत ने एससीओ बैठक के दौरान अपना रुख स्पष्ट कर दिया था। अभी भी भारत का वही रुख है। भारत तालिबान की मौजूदा व्यवस्था को किसी भी तरह से मान्यता देने के पक्ष में नहीं है। अमेरिका यात्रा के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी भारत का स्पष्ट रुख एक बार फिर जाहिर करेंगे। भारत का मानना है कि तालिबान की मौजूदा व्यवस्था को मान्यता देने की किसी भी कवायद से कट्टरपंथ और आतंकवाद बढ़ने का खतरा है। उधर अफगानिस्तान में तालिबान के शासन को दुनिया से अभी तक मान्यता नहीं मिलने पर पाकिस्तान तिलमिलाया हुआ है।

जब संयुक्त राष्ट्र में बाइडेन के संबोधन के दौरान प्रतिबंधित फ्लाइट एरिया में आ घुसा विमान

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की हवाई सुरक्षा में उस समय बड़ी चूक सामने आई जब वो संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित कर रहे थे। संबोधन के दौरान अमेरिका की एख प्रमुख सैन्य अकादमी के नेतृत्व वाला एक छोटा विमान न्यूयॉर्क में अस्थायी उड़ान प्रतिबंधित क्षेत्र घुस गया था।

विमान के घुसते ही सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं और उन्होंने तुरंत ही उसके पीछे एफ-16 लड़ाकू विमान लगा दिया। लड़ाकू विमान जाकर उसे रोक दिया। संघीय विमानन प्रशासन ने कहा कि सेसना 182 विमान मंगलवार को दोपहर करीब दो बजे अस्थायी उड़ान प्रतिबंधित क्षेत्र में घुस गया। एफ-16 लड़ाकू विमान ने छोटे विमान को रोक दिया। सीएनएन ने 'नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड' के हवाले से यह जानकारी दी। वेस्ट प्वाइंट ने एक बयान में कहा कि वेस्ट प्वाइंट में अमेरिकी सैन्य अकादमी के मालिकाना हक वाला विमान सेना का एक पायलट उड़ा रहा था। विमान ने जॉर्ज वाशिंगटन ब्रिज के समीप कुछ देर के लिए अस्थायी उड़ान प्रतिबंधित क्षेत्र का उल्लंघन किया।

राष्ट्रपति बाइडेन ने मंगलवार को सुबह संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपना पहला भाषण दिया। यह घटना महासभा के 76वें सत्र के दौरान हुई। यह सत्र महासभा अध्यक्ष अब्दुल्ला शाहिद की अध्यक्षता में 14 सितंबर को शुरू हुआ था। इस वार्षिक सत्र में राष्ट्र और सरकार के 100 से अधिक प्रमुखों के साथ ही विदेश मंत्री और राजनयिक भाग ले रहे हैं।